मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 102
शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सुप्रीम कोर्ट में एआई डीपफेक रेगुलेशन पर जनहित याचिका, निजता व राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें केंद्र सरकार से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी अक आधारित तकनीकों को लेकर एक व्यापक नियामक और लाइसेंसिंग ढांचा तैयार करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता आरती साह ने कहा है कि खास तौर पर ऐसे एआई सिस्टम, जो वास्तविक लोगों की आवाज, तस्वीर या वीडियो की हूबहू नकल कर सकते हैं, उनके लिए तुरंत कानूनी व्यवस्था बनाना जरूरी है।

याचिका के मुताबिक गहराई से बनाई गई फर्जी सामग्री यानी डीपफेक का बेकाबू प्रसार लोगों की निजता, गरिमा और प्रतिष्ठा का गंभीर उल्लंघन कर रहा है। याचिका में कहा गया है कि इस तरह की तकनीकों ने पहले ही कई व्यक्तियों को नुकसान पहुंचाया है और यह सामाजिक सौहार्द एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही हैं। बता दें कि हाल के दिनों में कई मशहूर हस्तियों जैसे अक्षय कुमार, कुमार सानू और पत्रकार सुधीर चौधरी को डीपफेक से जुड़ी शिकायतों पर दिल्ली और बॉम्बे हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिल चुकी हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार याचिका में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग को एक वैधानिक व्यवस्था बनाने का निर्देश देने की अपील की गई है, ताकि एआई तकनीकों का जिम्मेदाराना उपयोग सुनिश्चित हो सके और गूगल, मेटा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जवाबदेही तय हो सके। याचिकाकर्ता ने अंतरराष्ट्रीय उदाहरण देते हुए बताया है कि यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन और सिंगापुर ने पहले से ही जोखिम आधारित वर्गीकरण, लेबलिंग और सख्त प्रवर्तन प्रणालियों की शुरूआत कर दी हैं।

गौरतलब है कि याचिका में सरकार की निष्क्रियता को संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन बताया गया है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म डीपफेक शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं करते, जिससे पीड़ितों को राहत नहीं मिल पाती हैं। इसमें सुप्रीम कोर्ट के महत्त्वपूर्ण फैसलों जैसे पुट्टस्वामी केस (निजता अधिकार) और तहरीन पूनावाला केस (डिजिटल हिंसा रोकथाम) का हवाला देते हुए कहा गया है कि अब न्यायिक हस्तक्षेप अनिवार्य हो गया है।

याचिका में तीन प्रमुख आदेशों की मांग की गई है। पहला, केंद्र

लालू प्रसाद की पार्टी 'रंगदारी', 'जंगल राज' और 'दादागिरी' का प्रतीक है : जेपी नड्डा

वैशाली, 23 अक्टूबर। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव एनजीए के 'विकास' और विपक्षी गठबंधन के 'विनाश' के बीच की लड़ाई है।औरंगाबाद जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए, नड्डा ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और उस पर एक परजीवी पार्टी होने का आरोप लगाया, जो अपने छोटे सहयोगियों को खत्म कर देती है।नड्डा ने राजद पर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी 'रंगदारी', 'जंगल राज' और 'दादागिरी' का प्रतीक है। युवाओं को नौकरी देने और पलायन रोकने के राजद नेता तेजस्वी यादव के वादे का मजाक उड़ाते हुए, नड्डा ने कहा कि ऐसे वादे उन्हें जमीन के बदले नौकरी घोटाले में पार्टी की कथित संलिप्तता की याद दिलाते हैं। उन्होंने पूछा कि हर परिवार को सरकारी नौकरी देने के लिए पैसा कहां से आएगा।नड्डा ने गैंगस्टर से नेता बने दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को आगामी चुनावों में टिकट देने के लिए भी राजद की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'राजद ने शहाबुद्दीन के बेटे को मैदान में उतारा है... अगर वह ऐसे उम्मीदवार उतारेगी तो बिहार के लोगों की सेफ्टी कैसे सुनिश्चित कर पाएगी? लालू की राजद रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी की प्रतीक है।' बता दें, राजद ने शहाब को सीवान जिले के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से उतारा है।

वैशाली जिले में एक और रैली को संबोधित करते हुए, नड्डा ने आरोप लगाया कि राजद के 'जंगल राज' के दौरान अपहरण एक इंडस्ट्री बन गया था, और फिरौती की रकम तत्कालीन मुख्यमंत्री आवास पर तय होती थी। उन्होंने युवाओं से कहा कि वोट डालने से पहले अपने माता-पिता से 'जंगल राज' और 'गुंडा राज' के बारे में जरूर पूछें।

नड्डा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में बिहार को 'जंगलराज' से आजादी दिलाई है। उन्होंने कहा, 'बिहार के लोग जंगल राज को कभी नहीं भूल सकते। लालू प्रसाद के टाइम में बिहार के लोग दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर थे।

कोलकाता : प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने और अनुचित व्यवहार करने के आरोप में 153 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, 23 अक्टूबर। कोलकाता पुलिस ने दीपावली के बाद हुए जश्न के दौरान विभिन्न कानूनों के उल्लंघन करने के आरोप में 153 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें अनुचित व्यवहार और प्रतिबंधित आतिशबाजी छोड़ना शामिल है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को एक अधिकारी ने दी। बुधवार को की गई कुल गिरफ्तारियों में से 146 लोगों को अभद्र व्यवहार के लिए गिरफ्तार किया गया जबकि सात लोगों को प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने के लिए गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि जुए से संबंधित किसी भी अपराध के तहत कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है,

साथ ही पुलिस ने इस दौरान 383 यातायात अभियोग भी शुरू किए। इस अभियान के दौरान, पुलिस अधिकारियों ने 16.95 किलोग्राम प्रतिबंधित आतिशबाजी सामग्री और 14.4 लीटर अवैध शराब भी जब्त की।

अधिकारी ने बताया कि यातायात उल्लंघन मामलों में 85 मामले बिना हेलमेट के वाहन चलाने के हैं। साथ ही 37 मामले बिना हेलमेट के पीछे बैठने, 73 लापरवाही से वाहन चलाने और 64 शराब पीकर वाहन चलाने के थे। 124 ऐसे मामले हैं जो अन्य श्रेणी के अपराधों में शामिल थे।

देवेंद्र फडणवीस का 2029 तक सीएम रहने का दावा

मुंबई, 23 अक्टूबर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि वह 2029 तक अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे और सत्तारूढ़ गठबंधन की संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, जहाँ तक मुझे अपनी पार्टी का पता है...दिल्ली अभी बहुत दूर है। मैं 2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना रहूँगा। वह दिवाली के अवसर पर मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में मीडियाकर्मियों से बातचीत में बोल रहे थे।

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन, जिसमें भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की

राकांपा शामिल हैं, में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, न तो कोई नया साझेदार बनेगा और न ही साझेदारों की अदला-बदली होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राज्य की मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगाने के लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा। स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं।

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता सचिन सावंत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का यह बयान कि वह 2029 तक शीर्ष पद पर बने रहेंगे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश है। राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका के सवाल पर फडणवीस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा था, दिल्ली अभी दूर है। और स्पष्ट किया कि वह 2029 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

सावंत ने उन लोगों के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश है, जो मुख्यमंत्री पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। वह सीधे शिंदे साहब से तो बोल नहीं सकते, इसलिए अप्रत्यक्ष रूप से यह बात कह रहे हैं। साथ ही, वह अपनी पार्टी के उन लोगों को भी संकेत दे रहे हैं, जो स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। शिवसेना से 2022 में अलग होने के बाद शिंदे पिछले विधानसभा चुनावों तक मुख्यमंत्री रहे, जबकि फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे।

फडणवीस ने बुधवार को स्पष्ट किया कि मौजूदा सत्तारूढ़ व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, न तो कोई नया सहयोगी होगा और न ही मौजदू सहयोगियों का चेहरा बदलेगा। सावंत ने दावा किया कि फडणवीस का यह बयान भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी एक संदेश है कि वह इस डर से अपना पद नहीं छोड़ेंगे कि राजस्थान, मध्यप्रदेश या उत्तराखंड की तरह कोई और उनकी जगह ले सकता है।

कांग्रेस नेता ने कहा, फडणवीस को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिशें हो रही हैं।

टिहरी में स्कार्पियो खाई में गिरी, तीन युवकों की मौत

टिहरी, 23 अक्टूबर। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में पावकी देवी मार्ग पर एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार देर रात नाई के पास हुआ जहां स्कार्पियो अचानक अनियंत्रित होकर लगभग 200-300 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जो रात भर जारी रहा। एसडीआरएफ ने बताया कि हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। दो गंभीर रूप से घायलों को खाई से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे का शिकार हुए सभी युवक ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं। मृतकों की पहचान विमल कण्डियाल (31), राहुल कलुड़ा (23) और आशीष कलुड़ा (26) के रूप में हुई है जबकि निखिल रमोला (21) और तनुज पुंडीर (26) हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हादसे के वक्त वाहन में पांच लोग सवार थे जो एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए श्यामपुर के घड़ी मेचक से नाई जा रहे थे।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

श्रीनगर जा रहे विमान की वाराणसी में आपात लैंडिंग

वाराणसी। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस के विमान को बुधवार शाम ईंधन रिसाव की सूचना के बाद वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। पुलिस सूत्रों के अनुसार कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) के कारण वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग करानी पड़ी। उन्होंने बताया कि विमान में ईंधन रिसाव के कारण पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी।

भाई-बहन को समर्पित अनूठा, ऐतिहासिक एवं संवेदनात्मक त्यौहार

-ललित गर्ग

भ्रातृ द्वितीया (भाई दूज) कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पर्व है जिसे यम द्वितीया भी कहते हैं। यह दीपावली के दो दिन बाद आने वाला ऐसा पर्व है, जो भाई के प्रति बहन के स्नेह को अभिव्यक्त करता है एवं बहनें अपने भाई की खुशहाली के लिए कामना करती हैं। आज जबकि समाज रिश्तों की गर्माहट से दूर होता जा रहा है, जब व्यक्तिगत स्वार्थों और भौतिक लिप्साओं ने मानवीय संबंधों को हाशिये पर पहुँचा दिया है, तब भाई दूज का पर्व हमें रिश्तों की आत्मीयता, समर्पण और सुरक्षा के शाश्वत मूल्यों की याद दिलाता है। यह पर्व केवल एक पारंपरिक रिवाज नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस भावना का प्रतीक है, जहाँ भाई और बहन का संबंध केवल रक्त का रिश्ता नहीं, बल्कि आत्मीयता, श्रद्धा और अटूट विश्वास का जीवंत स्वरूप है। इसदिन भाई का बहन के घर भोजन करने का विशेष महत्व एवं लाभ है, उसे उत्तम भोजन समेत धन, सुख एवं खुशहाल जीवन की प्राप्ति भी होती रहती है। क्योंकि इसी तिथि को यमुना ने यम को अपने घर भोजन कराया था। कोई बहन नहीं चाहती कि उसका भाई दीन-हीन एवं तुच्छ हो, सामान्य जीवन जीने वाला हो, ज्ञानरहित, प्रभावरहित हो।

हिन्दू धर्म एवं परम्परा में पारिवारिक सुदृढ़ता, सांस्कृतिक मूल्य एवं आपसी सौहार्द के लिये त्यौहारों का विशेष महत्व है। इस त्यौहार को मनाने के पीछे की ऐतिहासिक कथा भी निराली है। पौराणिक आख्यान

के अनुसार भगवान सूर्य नारायण की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज तथा यमुना का जन्म हुआ था। यमुना यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। यमुना ने अपने भाई यमराज को आमंत्रित किया कि वह उसके घर आकर भोजन ग्रहण करें, किन्तु व्यस्तता के कारण यमराज उनका आग्रह टाल जाते थे। यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता। बहन जिस सद्भावना से मुझे बुला रही है, उसकी इच्छा को पूरा करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने स्नान कर पूजन करके व्यंजन परोसकर उत्तम भोजन कराया। यमुना द्वारा किए गए आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन को वर दिया कि जो भी इस दिन यमुना में स्नान करके बहन के घर जाकर श्रद्धापूर्वक उसका सत्कार ग्रहण करेगा उसे व उसकी बहन को यम का भय नहीं होगा। तभी से लोक में यह पर्व यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध हो गया। भाइयों को बहनों टीका लगाती है, इस कारण इसे भातृ द्वितीया या भाई दूज भी कहते हैं।

यह पर्व केवल यम और यमुनाजी की कथा तक सीमित नहीं है। भैया दूज भारत में कई जगह अलग-अलग नामों के साथ मनाई जाती है। बिहार में भिन्न रूप में मनाया जाता है, जहां बहनें भाईयों को खूब कोसती हैं फिर अपनी जबान पर कांटा चुभाती हैं और क्षमा मांगती हैं। भाई अपनी बहन को आशीष देते हैं और उनके मंगल के लिए प्रार्थना करते हैं। गुजरात में यह भाई बीज के रूप में तिलक और आरती की पारंपरिक रस्म के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्र और गोवा के मराठी भाषी समुदाय के लोग भी इसे भाई बीज के तौर पर मनाते हैं। यहां बहने फर्श पर एक चौकोर आकार बनाती हैं, जिसमें भाई करीथ नाम का कड़वा फल खाने के बाद बैठता है। आज जब रिश्ते औपचारिकता बनते जा रहे हैं, भाई दूज हमें यह स्मरण कराता है कि सगे संबंधों को जीवित और प्रगाढ़ बनाए रखने के लिए केवल व्हाट्सएप संदेश या उपहार काफी नहीं होते, बल्कि आत्मीय मिलन, संवाद और सम्मान जरूरी है।

इस पूजा में भाई की हथेली पर बहनें चावल का घोल लगाती हैं। उसके ऊपर सिन्दूर लगाकर कद्दू के फूल, पान, सुपारी मुद्रा आदि हाथों पर रखकर धीरे-धीरे पानी हाथों पर छोड़ते हुए मंत्र बोलती हैं कि ह्यगंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजा कृष्ण को, गंगा यमुना नीर बहे, मेरे भाई की आयु बढ़े। एक और मंत्र है- ह्यसांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे जो काटे सो आज काटे इस तरह के मंत्र इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन अगर भयंकर पशु भी काट ले तो यमराज भाई के प्राण नहीं ले जाएंगे। संध्या के समय बहनें यमराज के नाम से चौमुख दीया जलाकर घर के बाहर रखती हैं। इस दिन एक विशेष समुदाय की औरतें अपने आराध्य देव चित्रगुप्त की पूजा करती है। स्वर्ग में धर्मराज का लेखा-जोखा रखने वाले चित्रगुप्त का पूजन सामूहिक रूप से तस्वीरों अथवा मूर्तियों के माध्यम किया जाता हैं। वे इस दिन कारोबारी बहीखातों की पूजा भी करते हैं। यदि कोई बहन न हो तो गाय, नदी आदि स्त्रीत्व का ध्यान करके अथवा उसके समीप बैठ कर भोजन कर लेना भी शुभ माना जाता है।

भाई दूज रक्षाबंधन से इस मायने में भिन्न है कि जहाँ राखी में बहन रक्षा की कामना करती है, वहीं भाई दूज में वह अपने घर बुलाकर भाई की सेवा करती है और उसे भोजन कराती है। यह सेवा-संस्कृति भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा रही है। यह उस अहं को तोड़ता है जो अक्सर पुरुष प्रधान मानसिकता से जन्म लेता है। यह उस संबंध को पुनः प्रतिष्ठित करता है जो केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि संवेदनात्मक और परस्पर समर्पित है। भैया दूज के बारे में प्रचलित कथाएं सोचने पर विवश कर देती हैं कि कितने महान उसूलों और मानवीय संवेदनाओं वाले थे वे लोग, जिनकी देखादेखी एक संपूर्ण परंपरा ने जन्म ले लिया और आज तक बदस्तूर जारी है। आज परंपरा भले ही चली आ रही है लेकिन उसमें भावना और प्यार की वह गहराई नहीं दिखायी देती। अब भैया दूज में भाई-बहन के प्यार का वह ज्वार नहीं दिखायी देता जो शायद कभी रहा होगा। इसलिए आज बहुत जरूरत है दायित्वों से बंधे भैया दूज पर्व का सम्मान करने की।

भाईदूज की परम्परा बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसे भाई की पुकार बहन तक पहुंचती तो बहन हर तरह से भाई की सुरक्षा के लिये तत्पर हो जाती। आज घर-घर में ही नहीं बल्कि सीमा पर भाई अपनी जान को खतरे में डालकर देश की रक्षा कर रहे हैं, उन भाइयों की सलामती के लिये बहनों को प्रार्थना करनी चाहिए तभी भैया दूज का यह पर्व सार्थक बन पड़ेगा और भाई-बहन का प्यार शाश्वत एवं व्यापक बन पायेगा। भाईदूज की परंपरा उन परिवारों में भी संबंधों को फिर से जोड़ने का अवसर देती है जहाँ समय, दूरी या विचारों के मतभेद से भाई-बहन के रिश्ते कमजोर पड़ गए हैं। भोजन केवल स्वाद या अनुष्ठान नहीं है, बल्कि एक ऐसा माध्यम है जो भाई-बहन के बीच संवाद को फिर से शुरू करता है, पुराने किस्सों की स्मृति को ताजा करता है, और दिलों को जोड़ता है।

आज की पीढ़ी को यह समझने की जरूरत है कि पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं, बल्कि वे भारतीय समाज की आत्मा हैं, जो रिश्तों को अर्थ देती हैं, संबंधों में संवाद पैदा करती हैं और संस्कृति को पीढ़ियों तक जीवित रखती हैं। भैया दूज यानी भाई-बहन के प्यार का पर्व। एक ऐसा पर्व जो घर-घर मानवीय रिश्तों में नवीन ऊर्जा का संचार करता है। भाई दूज केवल रस्म नहीं, रिश्तों का पुनर्जन्म है। आज जब समाज टूटन, तनाव और अलगाव से गुजर रहा है, भाई दूज जैसे पर्व रिश्तों के लिए एक सेतु बन सकते हैं- जो न केवल एक दिन का उत्सव हों, बल्कि जीवनभर के लिए संबंधों में स्थायित्व, मिठास और सुरक्षा भर दें।

ट्रंप को सत्ता में लाने के लिए भारतीयों ने क्या नहीं किया था और बदले में क्या मिल रहा है?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर अपने इस दावे को दोहराया है भारत रूस से अपने तेल की खरीद को खत्म करने पर सहमत हो गया है. अपने जहाज, एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी धमकी दी कि अगर नई दिल्ली उनकी शर्तों पर सहमत नहीं हुई और वह रूस से तेल खरीदना नहीं रोकती है तो भारतीय सामानों पर वह ऱबड़े पैमाने पर टैरिफऱ लगाते रहेंगे.राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कही गई अपनी बात को दोहराते हुए कहा, ऱमैंने भारत के प्रधान मंत्री मोदी से बात की और उन्होंने कहा कि वह रूसी तेल के मामले में ऐसा नहीं करने जा रहे हैं.ऱ हालांकि सच्चाई यह है कि भारत ने पिछले हफ्ते ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया था कि उन्होंने नई दिल्ली के रूसी तेल आयात पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी.

जब यही बात ट्रंप को याद दिलाया गया तो उन्होंने कहा, ऱलेकिन अगर वे ऐसा कहना चाहते हैं, तो वे बड़े पैमाने पर टैरिफ देना जारी रखेंगे, और वे ऐसा नहीं करना चाहते हैं.ऱट्रंप की यह टिप्पणी रूस के व्यापार साझेदारों पर, विशेषकर ऊर्जा क्षेत्र में, बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच आई है. वाशिंगटन तर्क दे रहा है कि यह देश तेल खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन में मास्को की जंग को फंडिंग दे रहे हैं. अमेरिका ने भारत से होने वाले निर्यात पर 50 प्रतिशत का व्यापक टैरिफ लगाया हुआ है. अमेरिका का यह टैरिफ दुनिया में किसी भी दूसरे देशों में से सबसे अधिक है. इसमें रूस के साथ व्यापार के लिए भारत पर 25 प्रतिशत जुमार्ना शामिल है.डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि यदि नई दिल्ली मॉस्को के साथ अपने कच्चे तेल के व्यापार को नहीं रोकता है तो भारत पर बने ये टैरिफ बने रहेंगे या इसे और भी बढ़ा दिया जाएंगा.

देखा जाय तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सार्वजनिक बयानों और उनके इस बयान में काफी समानता है कि भारत ने अब रूस से तेल नहीं खरीदने का फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को अब तक 35 बार या 35 से अधिक बार रोका है, जबकि पहले तीन बार ऐसा हुआ था। कार्यक्रम दो दिनों में हैं। अगर कोई साधारण व्यक्ति होता तो वह दो दिन में तीन बार यानी दो महीने में कितनी बार ऐसी जीत पेश कर सकता था। लेकिन ट्रम्प के साथ ऐसा नहीं है। विकेट किसी भी समीकरण में फिट नहीं बैठता है। अब वे यह कहकर नहीं रुकते कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा, लेकिन उनका कहना है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें टेलीफोन पर बातचीत में बताया था, लेकिन न तो प्रधानमंत्री और न ही सरकार इस बात से इनकार करती है कि ऐसा हुआ है, यानी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में इसका मतलब रिजेक्शन नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप की बातचीत की संभावना से अभी तक इनकार नहीं किया गया है। विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। वह हो सकता है। या शायद नहीं। हम रूस से तेल खरीदना भी जारी रख सकते हैं। या आप इसे रोक भी सकते हैं। यह तेल का सवाल नहीं है। तो ट्रम्प के बारे में क्या? यह बात है।

सबसे पहले, आपने सोचा था कि ट्रम्प का फिर से व्हाइट हाउस में नहीं होना आपके लिए देरी होगी। यह पिछली बार दिया गया था। लेकिन तब यह काम नहीं किया। उस कॉल का अब जवाब दिया गया था और वास्तव में यह आ गया था। अमेरिका में आपसे और आपसे कौन खुश है? सभी को लग रहा था कि विश्व की प्रगति का सूर्य पूर्व में भारत में उगेगा और पश्चिम के संयुक्त राज्य अमेरिका में अस्त होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में कई भारतीय इतने खुश थे कि गैस को शरीर में अवशोषित नहीं किया जा सका। जैसे ही वह मुक्त हुआ, संयुक्त राज्य अमेरिका के तट पर तूफान आए। हालाँकि, ट्रम्प ने अपने व्यवहार से यह सब ढक दिया। नतीजतन, भारत में अमेरिकियों को उन लोगों की तुलना में अधिक नुकसान उठाना पड़ा जो ग्रीन कार्ड होने के बावजूद भगवा जीवन या जीवन में विश्वास करते थे। कई लोग कहते हैं कि उन्होंने अपने माथे को छुआ था कि ट्रंप को सत्ता में लाने के लिए भारतीयों ने क्या नहीं किया? उन्होंने अनुष्ठान किए, नारे लगाए, रिपब्लिकन को वित्त पोषित किया, अमेरिकीवाद की तर्ज पर हिंदुओं की रैलियां कीं, और सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने उच्च स्तर की कृतघ्नता दिखाई, और भारत को बार-बार परेशानी में डालना शुरू कर दिया, आयात शुल्क का तो जिक्र ही नहीं, पाकिस्तान के फ्राई का तो जिक्र ही नहीं। भारत को बदनाम मत करो...! ट्रम्प ने हमें जितना हो सके उतना अपमानित किया। हम चीन या ब्राजील की तरह अहंकारी नहीं हैं। हमारे पास अच्छे संस्कार हैं। तो इस अपमान से शरीर में भूख नहीं लगती... इस तरह, अपनी प्राकृतिक सहिष्णुता के प्रदर्शन में, हमने ट्रम्प के व्यवहार को नजरअंदाज कर दिया: हम लोकतंत्र की जननी हैं, क्षमा के अवतार हैं, लेकिन अगर इससे कोई सबक सीखना है, तो किस तरह का ट्रम्प? उन्हें कितना शेखी बघारनी चाहिए कि उन्होंने भारत-पाक युद्ध रोक दिया है? यह सही है कि हमारे नेतृत्व ने उनके इस वादे को नजरअंदाज कर दिया है कि भारत रूसी तेल खत्म होने से पहले ही खरीदना बंद कर देगा। हमारे नेताओं ने हमेशा ट्रंप के सभी बयानों से आंखें मूंद लेने की समझदारी दिखाई है, यह जानते हुए कि जब खाते में पत्थर फेंका जाता है, तो हम पर गंदगी का छींटा फेंका जाता है, हम ट्रंप, चीन के शी जिनपिंग आदि के बारे में कुछ नहीं कहते हैं, लेकिन हमारे नेताओं की चुप्पी कुछ ऐसी नहीं है जिसका उनके अमेरिकी समर्थकों को पालन करना चाहिए।

इसलिए, भले ही भारत सरकार ने ट्रम्प के बयानों को नजरअंदाज करने का फैसला किया है, लेकिन यह निश्चित है कि अमेरिकी भारतीयों के लिए एक दृढ़ रुख अपनाने का समय आ गया है। यह दोहराने की कोई आवश्यकता नहीं है कि इन अमेरिकियों की मातृभूमि (यानी भारतभूह) के प्रति कितनी निष्ठा है। चाहे वह 'H5B' मार्ग पर हो, MS करने की आड़ में, या किसी ऐसे व्यक्ति के भागीदार के रूप में जो पहले से ही वहां जा चुका है; यहां रहने वाले लोगों को समझना चाहिए कि एक सच्चा भारतीय अमेरिका जाने का मौका नहीं छोड़ता, लेकिन उसके पीछे भारत के लिए बहुत प्यार है। हाथी आसमान में भटकता है, मन अपने बच्चों पर है, ये इतिहास है। वर्तमान है 'बच्चे डॉलर कमाते हैं, उनका मन अपने रुपये पर है'। भारत माता के ये सभी प्रेमी वहां रहते हैं और वहां पसीना बहाते हैं, डॉलर कमाते हैं और घर लौटकर भारत में मुट्ठी भर डॉलर कमाते हैं।$ 500 मिलियन जुटाए गए थे। उनमें से लगभग 27-28 प्रतिशत अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका से आए थे। इससे पता चलता है कि अमेरिका में भारतीय कितना कमाते हैं। अब उन सभी को अपनी भौतिक और वित्तीय कमाई को देशभक्ति की रेखा पर लगाना चाहिए झ यानी ट्रम्प के खिलाफ झ और इस अमेरिकी राष्ट्रपति को सबक सिखाना चाहिए जिसने बार-बार भारत का अपमान किया है। कई हिंदू समर्थक संगठनों की अमेरिकी शाखाएं हैं। उन शाखाओं से, ट्रम्प के खिलाफ राजनीतिक रणनीति का आदेश दिया जा सकता है। वहीं, ट्रंप को डराने का एक और तरीका है।

यह एक प्रदर्शन है। हजारों लोग 'सम्राट' ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और हजारों लोग ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस भीड़ में अमेरिका के भारतीय इस समय बड़ी संख्या में नजर नहीं आ रहे हैं, लेकिन उन्हें देशभक्ति में शामिल होना चाहिए और भारतीयों की संख्या की ताकत दिखानी चाहिए, अगर वे चाहें तो हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की मदद से, और अगर उन्हें लगता है कि उनमें दूसरों को मारने का हुनर है, तो उनकी मदद से वहां के भारतीयों को ट्रंप के खिलाफ शोर मचाना चाहिए, ताकि हम भारतीयों के लिए ऐसा करना मुश्किल न हो। प्रवासी भारतीयों को विदेशों में गणेशोत्सव जैसे जुलूस निकालकर विदेशों में लोगों की सुनने को बहरा करने का अनुभव भी होगा और उन्हें अब इसका इस्तेमाल ट्रंप के भारत विरोधी रुख का विरोध करने और उन पर दबाव बढ़ाने के लिए करना चाहिए। यह स्वीकार करना उपयोगी नहीं होगा कि यह किया गया है।

गायों की पूजा का त्योंहार है गोवर्धन पूजा

-रमेश सर्राफ धमोरा

गोवर्धन पूजा एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्यौहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते है:

कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टी उठाई, इनमें को भगवंत।।

इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है।

अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है। इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमाएं लगाई जाती हैं। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं। महाराष्ट्र में यह दिन बालि प्रतिपदा या बालि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामनकी राजा बलि पर विजय और बाद में राजाबलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं। कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। श्री कृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्घन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। तब श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्घन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें।

इन्द्र लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता। अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यंत लज्जित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका। इसलिए अहंकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने श्री कृष्ण की पूजा कर उन्हें भोग लगाया।

सातवें दिन श्रीकृष्ण ने गोवर्धन को नीचे रखा और ब्रजवासियों से कहा अब तुम प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट का पर्व मनाया करो। तभी से यह पर्व अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा। इस पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्घन पूजा की जाने लगी। इस दिन देश के बहुत से प्रदेशों में लोग गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है। उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है।

जैनपुर-समाचार

भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, सरस्वती एवं काली जी की प्रतिमाएं विसर्जित

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति जौनपुर के नेतृत्व में 5 दिवसीय अनुष्ठान सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीणांचलों तक में पूजन पण्डाल बनाकर अस्थायी रूप से लगायी गयीं भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं मां काली की प्रतिमाएं बीती मध्य रात्रि विसर्जित कर दी गयीं। श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति (ट्रस्ट) जौनपुर के नेतृत्व में सभी प्रतिमाओं का विसर्जन नगर के नखास स्थित विसर्जन घाट पर बने शक्ति कुण्ड में हुआ। इस दौरान गगनचुम्बी जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा जिसके साथ ही 5 दिवसीय अनुष्ठान का समापन भी हो गया। विसर्जन का कार्य पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर निषाद बबलू एवं पूर्व अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली के नेतृत्व में विसर्जन प्रभारी शिवचरन निषाद, बलराम निषाद, शोभायात्रा प्रभारी सत्यम प्रजापति, अमन अग्रहरि, आशीष निषाद ने सम्पन्न करवाया।

इसके पहले तमाम पूजन समितियों की प्रतिमाएं नगर के अहियापुर मोड़ पर कतारबद्ध एकत्रित हुईं जहां नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने नारियल फोड़ने के साथ ही हरी झण्डी दिखाकर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया। साथ ही संस्थापक सदस्य डा. राम नारायण सिंह एवं संस्थापक पुत्र वैभव वर्मा ने शोभायात्रा को आगे बढ़वाया जिसका नेतृत्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल एवं महासचिव संतोष यादव ने किया। अहियापुर मोड़ से निकली शोभायात्रा सुतहट्टी चौराहा, सब्जी मण्डी होते हुये कोतवाली चौराहे पर पहुंची जहां बनाये गये नियंत्रण कक्ष में उपस्थित संरक्षक विजय सिंह, हरिद्वारी विश्वकर्मा एडवोकेट, रामजी जायसवाल, अजय पाण्डेय, जगदीश मौर्य गप्पू, मुकेश यादव आदि ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

वहीं निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में गौरव सेठ, जूही सेठ, शिवेन्द्र गुप्ता, दीक्षा अग्रहरि, रश्मि केसरवानी, अंजनी प्रजापति एवं सीमा चक्रवाल द्वारा शोभायात्रा एवं झांकी का अवलोकन किया गया। इसके बाद शिवा वर्मा, विनोद यादव पत्रकार, अभिषेक अग्रहरि, सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, डा. आशुतोष सिंह ने शोभायात्रा को आगे बढ़वाया जिसका नेतृत्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल सिंह, दिलीप जायसवाल, राहुल प्रजापति, आदर्श श्रीवास्तव, दीपक अग्रहरि, राकेश वर्मा आदि ने किया। ओलन्दगंज चौराहे पर सभी प्रतिमाओं का पुष्पवर्षा करके स्वागत किया गया जहां पत्रकार अंकित जायसवाल, पत्रकार शुभांशू जायसवाल, कृष्णकांत विश्वकर्मा, केतन गुप्ता, संकल्प गुप्ता, रोहन जायसवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शोभायात्रा जब विसर्जन घाट पर बने शक्ति कुण्ड पर पहुंची तो महेन्द्र प्रजापति, अभिजीत जायसवाल, कृष्ण कुमार यादव, शिवा गुप्ता, सुरेश साहू, श्रेयश जायसवाल की देख–रेख में एक–एक करके सभी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में राजा अग्रहरि, विकास अग्रहरि, प्रशांत कुकरेजा, अमित मोदनवाल, विजय केडिया, अंकित यादव, सुधांशू विश्वकर्मा, स्वतंत्र मौर्य सहित अन्य लोगों का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन डा. हर्षित गुप्ता ने किया। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत संस्थापक पुत्र वैभव वर्मा ने किया। अन्त में अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल एवं महासचिव संतोष यादव ने समस्त आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

10 समितियों को दिया गया 'समय अनुपालन सम्मान

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि अहियापुर मोड़ पर समय से पहुंचने वाली 10 पूजन समितियों को सम्मानित किया जायेगा। इसी क्रम में समय अनुपालन का ध्यान देने वाले 10 समितियों को कोतवाली चौराहे पर नियंत्रण कक्ष पर अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली एवं पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर निषाद बबलू द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान केतन गुप्ता, विकास अग्रहरि, मनीष गांधी, श्रेयश जायसवाल, सत्यम प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में इन हस्तियों की रही उपस्थिति

प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, लायंस क्लब क्षितिज के अध्यक्ष अतुल सिंह, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल के जिलाध्यक्ष विवेक सिंह, सहकार भारती के जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राकेश श्रीवास्तव, अजय पाण्डेय, रमेश मिश्र, राष्ट्रीय बजरंग दल के जितेन्द्र बहादुर सिंह, कृष्णकान्त उपाध्याय, भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट, वन विभाग के सीओ महेन्द्रदेव विक्रम, युवा समाजसेवी आनन्द अग्रहरि, शिक्षक विजय गुप्ता, युवा बजरंग दल रामनवमी शोभायात्रा समिति के संजीव चौरसिया पत्रकार, सुभाष गर्ग, मुन्ना लाल सेठ, समाजसेवी दिलीप जायसवाल, रमेश श्रीवास्तव, दिलीप सिंह, रिंकू मौर्या, जगन्नाथ मोदनवाल, अमित निगम भारत, प्रदीप सिंह, भाजपा नेता प्रमोद सिंह, पत्रकार संजय शुक्ला, अवकाशप्राप्त प्रशासनिक अधिकारी राकेश श्रीवास्तव, श्री गणपति पूजा महासमिति के अध्यक्ष दीपक जावा, संजय जांडवानी, विशाल खत्री, सुमित अग्रहरि, ज्ञानेन्द्र दूबे एडवोकेट, उद्घोषक प्रभात मौर्य, पत्रकार इशरत हुसैन सहित तमाम समाजसेवी, पत्रकार, अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ, व्यापारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि, कार्यक्रम संयोजक ने नियंत्रण कक्ष का किया उद्घाटन

नगर के कोतवाली चौराहे पर बने नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने फीता काटकर किया जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव के पीआरओ इं. कृष्ण कुमार जायसवाल मुन्नू, चेयरमैन प्रतिनिधि डा. राम सूरत मौर्य, कार्यक्रम संयोजक जगदीश मौर्य गप्पू राष्ट्रीय सचिव मुलायम यूथ ब्रिगेड आदि की भी उपस्थिति रही। इस मौके पर जहां मंचासीन अतिथियों ने शोभायात्रा मेला पर प्रकाश डाला, वहीं समाजसेवी मुकेश यादव, श्री गणपति पूजा महासमिति के संस्थापक संजीव यादव एडवोकेट, मो. शाहिद मंसूरी, पालिकाकर्मी मनोज यादव सहित जौनपुर में 1981 में मां लक्ष्मी पूजनोत्सव का शुभारम्भ करने वाले अजय साहू बाल दीप संस्था फल वाली गली ओलन्दगंज को सम्मानित किया गया।

कैंसर पीड़ित बालक विहान प्रजापति की सहायता को आगे आया सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदना के क्षेत्र में कार्यरत सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने एक बार फिर अपनी सेवा भावना का परिचय दिया है। ट्रस्ट द्वारा जौनपुर / सूरत-वापी वलसाड निवासी अमित प्रजापति के 9 वर्षीय पुत्र विहान प्रजापति के कैंसर उपचार हेतु रु. 25,000/- की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी ट्रस्ट द्वारा इसी बालक के इलाज में रुपए 21,000/- का सहयोग किया गया था। किंतु इस वर्ष पुनः बच्चे का ऑपरेशन आवश्यक होने पर, परिवार आर्थिक रूप से पूरी तरह से टूट चुका है। परिवार ने अब तक अपनी जमीन और स्वर्ण आभूषण तक इलाज में खर्च कर दिए हैं। ऐसे कठिन समय में, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने पुनः संवेदना और सहयोग का परिचय देते हुए रूपए 25,000/- की सहायता राशि चेक के माध्यम से बैंक ऑफ बड़ौदा में अमित प्रजापति के खाते में जमा कराई है। ट्रस्ट के चेयरमैन अजय प्रजापति (मुंबई), सचिव विनोद प्रजापति, कोषाध्यक्ष इंद्रजीत प्रजापति ने बताया कि समाज के सहयोग से ही यह संभव हो पाया है। उन्होंने सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि हमारा उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार इलाज के अभाव में पीड़ित न हो। ट्रस्ट के सदस्यों ने बालक विहान प्रजापति के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बाई तुज्यापायी का ट्रेलर ZEE5 ने किया प्रस्तुत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्त्री के साहस, शिक्षा के महत्व और अंधविश्वास के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी लेकर ZEE5 अपनी नई मराठी ओरिजिनल सीरीज बाई तुज्यापायी लेकर आ रहा है, जिसका प्रीमियर 31 अक्टूबर को होगा। निपुण धर्माधिकारी द्वारा निर्देशित और सिक्स्टीन बाय सिक्स्टी-फोर प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस सीरीज का प्रभावशाली ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया।यह कहानी 1990 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है और वेसाई के पास स्थित काल्पनिक गांव वडगांव में घटित होती है। यह वह गांव है, जहां अंधविश्वास की गहरी जड़ें हैं और महिलाओं को अपनी बात कहने का अधिकार भी नहीं है। ऐसे माहौल में अहिल्या (साजिरी जोशी) नाम की एक युवती सवाल उठाती है ऐसा क्यों? शिक्षा पाने की उसकी इच्छा और अन्याय के खिलाफ उसका संघर्ष ही इस कहानी का केंद्र है। उसका यह मूक विद्रोह पूरे गांव की स्त्रियों के लिए आशा की किरण बन जाता है।

बाई तुज्यापायी में साजिरी जोशी, क्षिति जोग, सिद्धेश धुरी और शिवराज वायचळ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज की कहानी निखिल खैरे और मुक्ता बाम ने लिखी है। दमदार अभिनय, सूक्ष्म निर्देशन और दिल को छू लेने वाली कहानी के मेल से यह सीरीज शिक्षा और स्वतंत्रता की नई परिभाषा प्रस्तुत करती है। यह सिर्फ एक लड़की की शिक्षा के लिए लड़ाई नहीं, बल्कि समाज की पुरानी सोच और बंधनों को तोड़ने की गाथा है। ट्रेलर लॉन्च का उत्सव डोंबिवली में आयोजित डोंबिवली दिवाली पहाट कार्यक्रम में मनाया गया। फडके रोड पर हुए इस कार्यक्रम में सीरीज की मुख्य कलाकार साजिरी जोशी और क्षिति जोग ने शिरकत की, जहां दर्शकों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया।

Zettai की पुनर्गठन योजना को मंजूरी

मुंबई। zettai Pte Ltd ने आज घोषणा की कि Wazir की रिकवरी प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, सिंगापुर की माननीय उच्च न्यायालय ने कुछ थोड़े बहुत बदलावों के साथ Zettai Pte Ltd द्वारा पेश की गई उस पुनर्गठन योजना को आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिसे कर्जदारों ने पहले ही स्वीकृति दे दी थी। यह फैसला उस समय आया है जब अगस्त 2025 में 95.7% वोट देने वाले कर्जदारों – जो कुल मूल्य का 94.6% प्रतिनिधित्व करते हैं – ने पुनर्गठन योजना के पक्ष में दोबारा मतदान किया था। यह मंजूरी Zettai और Wazir के यूजर समुदाय के बीच कई महीनों की मेहनत का नतीजा है और अब प्लेटफॉर्म को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।

WazirX के संस्थापक निश्चल शेट्टी ने कहा कि, यह मंजूरी Wazir की यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इतने बड़े साइबर हमले के बावजूद कंपनी ने बहुत तेजी से पुनर्गठन पूरा किया है जो पूरी दुनिया के क्रिप्टो सेक्टर में सबसे तेज मामलों में से एक माना जा रहा है। हमारा पूरा ध्यान अपने कर्जदारों के हितों की रक्षा पर है। आज के फैसले के आधार पर जैसे ही यह योजना कानूनी रूप से प्रभावी होगी, हम 10 व्यावसायिक दिनों के भीतर प्लेटफॉर्म फिर से चालू कर देंगे। उन सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद, जो धैर्य और विश्वास के साथ हमारे साथ खड़े रहे। योजना के प्रभावी होने के 10 व्यावसायिक दिनों के भीतर, Wazir प्लेटफॉर्म फिर से शुरू किया जाएगा और योजना के अंतर्गत आने वाले कर्जदारों को टोकन वितरित किए जाएंगे।

टाटा टी अग्नि लीफ छठ पूजा पर सम्मानित कर रहा है बिहार की टिकुली कला को, लॉन्च किया टीवीसी और विशेष फेस्टिव पैक

मुंबई/पटना। बिहार और झारखंड का मशहूर चाय ब्रांड, टाटा टी अग्नि ने छठ पूजा के पवित्र पर्व के लिए प्रस्तुत किए हैं लिमिटेड-एडिशन फेस्टिव पैक, जिन्हें बिहार की पारंपरिक टिकुली कला से सजाया गया है। हाथों से बनाए जाने वाले, बहुत ही महीन डिजाइन वाली टिकुली कला की शुरूआत 800 से भी अधिक साल पहले हुई थी। टाटा टी अग्नि के हर पैक को बिहार की प्राचीन, समृद्ध परंपराओं, कलाओं, इतिहास और संस्कृति को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है। प्रत्येक पैक छठ पूजा के चार दिनों की भक्ति और अनुष्ठानों को दशार्ता है: नहाय खाय, खरना, संध्या अर्घ्य, और उषा अर्घ्य।इन पैक को जाने-माने टिकुली कलाकार पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, श्री अशोक कुमार बिस्वास के कलात्मक निर्देशन में डिजाइन किया गया है। बिहार की प्राचीन टिकुली कला को पुनर्जीवित करने और उसे लोक कला के रूप में बढ़ावा देने के लिए श्री बिस्वास ने अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। उन्होंने टिकुली कला और मिथिला चित्रकला इन दो अलग-अलग कला शैलियों को एक साथ मिलाकर, पुराने और पारंपरिक डिजाइनों को एक नया और आधुनिक रूप देकर बहुत ही सुंदर कलाकृतियां बनाई हैं। चार फेस्टिव पैक छठ के चार दिनों का दृश्य चित्रण प्रस्तुत करते हैं - नहाय खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य। हर पैक छठ के चार दिनों की परंपराओं को टिकुली कला की बारीकियों से जोड़ते हुए, रोजमर्रा के जीवन में चाय की चुस्कियों के साथ खूबसूरती से मिला देता है।

छठ पूजा राजनीतिक नहीं, आस्था का विषय है: मनोज बारोट

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। बिहार और उत्तर भारत में महिलाएँ अपने परिवार की सुख-समृद्धि और दीघार्यु की कामना के लिए छठ माई की आराधना हेतु छठ पूजा का व्रत रखती हैं। यह व्रत छठ से एक दिन पहले, यानी पंचमी की शाम को सूर्यास्त के समय और छठ की सुबह सूर्योदय के समय, किसी नदी, तालाब या जलाशय में खड़े होकर सूर्य देव को जल अर्पित करके पूरा किया जाता है। इसी परंपरा के अनुसार, वसई विरार नगर निगम क्षेत्र की हजारों महिलाएँ पिछले कई वर्षों से नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तालाबों या जलाशयों में पूजा करती आ रही हैं।

हालाँकि, बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर, माननीय न्यायालय ने प्रशासन को सभी त्योहारों को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने का निर्देश दिया है। माननीय न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, वसई विरार नगर निगम ने तालाबों और जलाशयों में जाने के बजाय कृत्रिम तालाबों में पूजा करने के निर्देश जारी किए हैं। इससे उत्तर भारतीय समुदाय और छठ पूजा आयोजकों में नाराजगी है। लेकिन, कुछ लोग इस मुद्दे को राजनीतिक मुद्दा बनाकर नागरिकों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसलिए, इस मुद्दे को लेकर, भाजपा वसई विरार जिला महासचिव मनोज बारोट ने मीरा भयंदर वसई विरार पुलिस आयुक्त और वसई विरार महानगरपालिका आयुक्त को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि एक ओर छठ पूजा उत्तर भारतीय महिलाओं की आस्था से जुड़ा त्योहार है और दूसरी ओर, यह माननीय न्यायालय का आदेश है। इसलिए, माननीय न्यायालय के आदेश और उत्तर भारतीय महिलाओं की आस्था, दोनों को ध्यान में रखते हुए एक सही निर्णय लेना आवश्यक है। इसलिए, इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों की तत्काल बैठक बुलाई जानी चाहिए और सभी दलों को इस मुद्दे पर अपनी बात रखने का अवसर दिया जाना चाहिए। इससे इस मुद्दे पर एक सही निर्णय लिया जा सकेगा और कोई भी राजनीतिक दल इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर नागरिकों को गुमराह नहीं कर सकेगा। ताकि सभी लोग सम्मान के साथ त्योहार मना सकें और तालुका की कानून-व्यवस्था बरकरार रहे, बारोट ने अपने बयान में मांग की है।

स्वतंत्र पत्रकार अशोक भाटिया का जन्मदिन मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। हाल ही में अशोक भाटिया स्वतंत्र पत्रकार, गायक का 77 वां जन्म दिन संस्कार भारती प्रतिष्ठान की तरफ से संस्कार भारती के कार्यालय में मनाया गया। ज्ञात हो कि श्री भाटिया प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष भी है। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के सभी पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यापारी संघ के अध्यक्ष विशाल जोशी का विशेष सहयोग रहा ।

कई गणमान्य लोगों ने श्री भाटिया को शाल व गिफ्ट वगैरह देकर लंबी उम्र की मंगल कामना भी की। अल्पाहार के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

महेश गायकवाड़ ने अदिवशियों के साथ- मनाई दिवाली

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण शहर के जाने माने समाज सेवक व शिवसेना के प्रशिद्ध नेता महेश गायकवाड़ ने दिवाली के अवसर पर श्री मलंग गढ़ में गरीब आदिवासी लोगों के घर जाकर उनका हालचाल पूछा और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने गरीब परिवारों को कपड़े और मिठाइयाँ बांटीं।बतादे की महेश गायकवाड़ की यह पहल गरीब और आदिवासी परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने दिवाली के अवसर पर गरीब परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया।

आदिवासी गरीब परिवारों ने महेश गायकवाड़ की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि महेश गायकवाड़ का यह प्रयास उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है पूरे कल्याण शहर में महेश गायकवाड़ एकमात्र ऐसे व्यक्ति है जो गरीबो के जीवन में खुशियां लाने का निरंतर प्रयास करते है।

पालघर जिले को आदि कर्मयोगी अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

- महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों हुआ सम्मान
- जिले का राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा गौरव

पालघर(उत्तरशक्ति)। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए पालघर जिले को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान सोमवार 20 अक्टूबर को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्रदान किया गया। यह उपलब्धि पालघर जिले के सर्वांगीण और लोकहितकारी विकास कार्यों की उल्लेखनीय दखल मानी जा रही है।

इस गौरवशाली उपलब्धि के पीछे महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक का नेतृत्व, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे का प्रभावी मार्गदर्शन अहम रहा। साथ ही, जव्हार प्रकल्प अधिकारी डॉ. अपूर्वा बासूर और डहाणू प्रकल्प अधिकारी विशाल खत्री के समन्वयपूर्ण प्रयासों ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान में जिले के विविध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और दोनों प्रकल्प कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों ने समर्पण के साथ योगदान दिया। विशेष रूप से आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी और आदि साथी टीमों के अथक परिश्रम ने पालघर जिले को यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मान दिलाया है। इस सफलता से पालघर जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर उज्ज्वल हुआ है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे नवोन्मेषी एवं लोकाभिमुख प्रयास अब पूरे देश में एक आदर्श उदाहरण बन रहे हैं। पालघर जिले का यह राष्ट्रीय सम्मान टीमवर्क, ईमानदार सेवा भावना और जनहित के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

काशी विश्वनाथ व शीतला माता मंदिर परिसर में धूमधाम से मनाई गई दीपावली, दीपों से जगमगाया मंदिर प्रांगण

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिव तेज मित्र मंडल, शीतला माता मंदिर एवं शिव मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में तथा केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट के नेतृत्व में इस वर्ष भी भव्य दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया।हर वर्ष की तरह इस बार भी तुलसी राम केवट ने अपने सम्मानित साथियों के साथ दीपावली का पर्व श्रद्धा और उत्साह से मनाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएँ दीं तथा माँ शीतला एवं भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में हजारों दीपों से परिसर आलोकित हो उठा, जिससे वातावरण भक्तिमय और मनमोहक बन गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने भक्ति और सौहार्द के भाव से पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर विशेष सहयोगीयों में भाजपा नेता तुलसी राम केवट, विनय पांडे, राजीव रंजन सिंह, सर्वेश सिंह, धर्मेंद्र शाह, संजय मास्टर, राजू पाठक, सोनू जहांगीर, राजू सिंह, संतोष साहनी, संजय बावरे, राम सिंह, राकेश राय, बजरंग राय, घनश्याम सिंह, गौरी भाई, नंदकिशोर यादव, हरिराम विश्वकर्मा, रामसेवक विश्वकर्मा, शंकर सैनी, संतोष चौधरी, राजेश बिंद, शिवलाल गुप्ता, मायाराम गुप्ता, रामचंद्र चौरसिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। दीपों की रोशनी और भक्ति के स्वर ने मंदिर परिसर को दिव्यता से भर दिया। सभी ने एक स्वर में माता शीतला और भगवान शिव के जयकारे लगाये और सुख-समृद्धि की कामना की।

टोयोटा ने अर्बन क्रूजर हायराइडर का एयरो एडिशन लॉन्च किया

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवी अर्बन क्रूजर हायराइडर का नया एयरो एडिशन लॉन्च किया है। यह लिमिटेड एडिशन पैकेज हायराइडर को एक नया प्रीमियम और डायनैमिक लुक देता है। एयरो एडिशन का डिजाइन इसे सड़क पर और भी आकर्षक बनाता है, जिसमें दमदार लुक के साथ बारीक स्टाइलिंग का शानदार मेल है। यह एडिशन उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो अपने वाहन में स्टाइल, विशिष्टता और आधुनिक आराम का मेल चाहते हैं।

2022 में लॉन्च होने के बाद से, अर्बन क्रूजर हायराइडर भारतीय एसयूवी ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई है और हाल ही में इसने 1,68,000 यूनिट्स की बिक्री का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। टोयोटा की मशहूर ग्लोबल एसयूवी विरासत पर आगे बढ़ते हुए, हायराइडर ने अपने दमदार और आकर्षक डिजाइन के साथ-साथ आधुनिक तकनीक के मेल से समझदार ग्राहकों की पसंदीदा कार के रूप में पहचान बनाई है। इस नए और बारीकी से तैयार किए गए एयरो एडिशन एक्सेसरी पैकेज के साथ, हायराइडर का प्रीमियम लुक और भी निखर गया है। इसका डिजाइन सड़क पर इसे बाकियों से अलग और खास बनाता है। एयरो एडिशन चार रंगों में उपलब्ध है झ्र ०?हाइट, सिल्वर, ब?लैक और रेड। अर्बन क्रूजर हायराइडर की कीमत 10.94 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।टोयोटा की सस्टेनेबल मोबिलिटी पेशकशों में से एक, अर्बन क्रूजर हायराइडर ने अपने सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ बी-एसयूवी श्रेणी में एक नया मानक स्थापित किया है। यह स्मार्ट सिस्टम पेट्रोल और इलेक्ट्रिक पावर को बड़ी सहजता से जोड़ता है, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूथ और साइलेंट रहता है, जबकि फ्यूल एफिशिएंसी बेहतरीन मिलती है।

यह एसयूवी दो पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है - सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेन और नियो ड्राइव।

स्टोवक्राफ्ट का 2027 तक ग्रोथ गति बनाए रखने के लिए 500 एक्सक्लूसिव स्टोर्स खोलने का लक्ष्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड (एनएसई/बीएसई: स्टोवक्राफ्ट), भारत की अग्रणी रसोई और घरेलू उपकरण और पिजन, गिल्मा और ब्लैक+डेकर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की निमार्ता कंपनी ने अप्रैल 2027 तक 500 एक्सक्लूसिव स्टोर्स खोलने का लक्ष्य के साथ खुदरा क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण विस्तार योजना की घोषणा की है। कंपनी हाल ही में अपने प्रमुख ब्रांड, पिजन का 300 से अधिक स्टैंडअलोन और एक्सक्लूसिव स्टोर्स का सफल लॉन्च करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का 300 से अधिक स्टोर्स का आंकड़ा पार हुआ और अगले दो वर्षों में स्टैंडअलोन स्टोर्स से राजस्व में 20% का योगदान की उम्मीद है।

कंपनी का खुदरा विस्तार भारत के विविध बाजारों में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। महानगरों और छोटे शहरों, दोनों पर जोर देते हुए, स्टोवक्राफ्ट ने पहले ही टियर 1, 2 और 3 शहरों में महत्वपूर्ण प्रगति कर ली है, और अब अगले वर्ष कंपनी उत्तर और पश्चिम भारत पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। विशेष रूप से, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में स्टोवक्राफ्ट की खुदरा उपस्थिति में वृद्धि होने की उम्मीद है जिससे कि उसका उत्पाद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुँच सके।

कंपनी का फ्रैंचाइजी मॉडल उद्यमियों के लिए एक आकर्षक अवसर प्रदान करता है, जिसमें किराया-साझाकरण व्यवस्था प्रवेश की बाधाओं को कम करती है और पारस्परिक लाभप्रदता सुनिश्चित करती है। फ्रैंचाइजी को साइट पहचान, मार्केटिंग, स्टाफ प्रशिक्षण, कानूनी समझौतों और निरंतर परिचालन मार्गदर्शन सहित संपूर्ण सहायता का लाभ मिलता है। यह अप्रोच न केवल स्टोवक्राफ्ट के विस्तार लक्ष्यों को गति प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय व्यापार मालिकों को एक विश्वसनीय और तेजी से बढ़ते ब्रांड का हिस्सा बनने के लिए सशक्त भी बनाता है।

इस अवसर पर स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, राजेंद्र गांधी ने कहा, ?हम पूरे भारत में, विशेष रूप से उत्तर और पश्चिम भारत में, जहाँ हमें विकास की अपार संभावनाएँ दिखाई देती हैं और एक्सक्लूसिव स्टोर्स का एक मजबूत नेटवर्क बना सकते हैं। श्री गांधी ने आगे कहा, हमारा लक्ष्य 2027 तक 500 स्टैंडअलोन पिजन बिजनेस एक्सक्लूसिव स्टोर्स खोलने का लक्ष्य है, यह हमारे फ्रैंचाइजी मॉडल के सहयोग से संभव होगा। यह मॉडल न केवल हमें कुशलतापूर्वक विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। यह मॉडल ग्राहकों के विश्वास की हमारी विरासत पर आधारित है, और यह सुनिश्चित करता है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम पूरे भारत में परिवारों के साथ गुणवत्ता, संतुष्टि और दीर्घकालिक संबंधों के अपने वादे को पूरा करते रहेंगे।

स्टोवक्राफ्ट के एक्सक्लूसिव रिटेल स्टोर्स की मुख्य विशेषताओं में रसोई के उपकरणों से लेकर घरेलू आवश्यक वस्तुओं तक, कई श्रेणियों में उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। प्रत्येक स्टोर को ग्राहक सेवा और उत्पाद ज्ञान पर जोर देते हुए, एक बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टोवक्राफ्ट की ऑनलाइन मूल्य मिलान नीति यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहक हमेशा सर्वोत्तम सौदे पा सकें, चाहे वे स्टोर में खरीदारी करें या ऑनलाइन। ग्राहक-प्रथम के इस दृष्टिकोण ने स्टोवक्राफ्ट को एक ऐसे ब्रांड के रूप में अलग पहचान दिलाई है जो सुविधा और गुणवत्ता दोनों को प्राथमिकता देता है।

स्टोवक्राफ्ट अपने खुदरा क्षेत्र को ठोस वित्तीय प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ा रहा है, और 2025 की पहली तिमाही में राजस्व 8.2% बढ़कर ?340 करोड़ हो गया है। कंपनी अगले 3 वर्षों में 15% साल-दर-साल वृद्धि की उम्मीद कर रही है, और अपनी विनिर्माण सुविधाओं को मजबूत करने में निवेश जारी रखे हुए है। यह निवेश सुनिश्चित करता है कि स्टोवक्राफ्ट घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो. - 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

गोवर्धन पूजा पर सैकड़ों गौमाताओं को अर्पित की गई रोटियाँ व गुड़

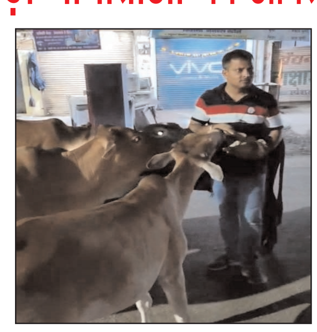

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर पालघर जिले के दहानू प्रखंड में बुधवार 22 अक्टूबर को वी. आर. के. कामधेनु उपचार केंद्र की ओर से एक प्रेरणादायी सेवा कार्य किया गया। केंद्र के प्रमुख ऋषि मालवीय के नेतृत्व में सोमवार रातभर में लगभग 1800 से 2000 रोटियाँ तैयार की गईं। इन रोटियों के साथ गुड़ भी मिलाकर दहानू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सभी गौमाताओं को खिलाया गया।

यह अनोखी पहल न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक थी, बल्कि गोसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को भी जन-जन तक पहुँचाने का एक सराहनीय प्रयास था। इस पुण्य कार्य में प्रखंड प्रमुख ऋषि मालवीय के साथ गौरक्षक हर्षद धोडी, जागृत बानिया व अभिषेक के अलावा अन्य कई गौरक्षक कार्यकताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने मिलकर देर रात तक रोटियाँ सेंकीं और सुबह होते ही गाँव-गाँव जाकर गौमाताओं को भोजन अर्पित किया। ऋषि मालवीय ने बताया कि गोवर्धन पूजा केवल पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। गौमाता हमारी संस्कृति और कृषि की आत्मा हैं, और उनकी सेवा ही सच्चा गोवर्धन पूजा है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्य समाज में सेवा, संस्कार और संवेदना की भावना को सशक्त करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितों ने गौमाताओं की आरती उतारी और गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएँ एक-दूसरे को दीं।

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला, मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में हिस्ट्रीशीटर प्रवीण मिश्रा का संदिग्ध हाल में खून से लथपथ मिला शव

मरने से पहले मोबाइल स्टेटस पर लिखा- 'अब मैं जा रहा हूँ, मेरे परिवार का ख्याल रखना'

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब 25 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर प्रवीण मिश्रा पुत्र महेंद्र मिश्रा का शव खून से लथपथ हालत में गांव के बाहर एक मशीन के पास पड़ा मिला। उसके सिर में गोली लगने का निशान था। प्रवीण दो दिन पहले ही दीपावली मनाने मुंबई से घर लौटा था। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष विनोद अंचल और सीओ मछलीशहर प्रतिमा वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी।

आत्महत्या या हत्या, जांच में जुटी पुलिस

मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताते हुए कुछ पड़ोसियों पर जमीन कब्जाने की साजिश का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि विरोधियों ने फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर प्रवीण को हिस्ट्रीशीटर बनवाया था और उसी विवाद के चलते उसकी हत्या की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों से पूछताछ में पता चला कि प्रवीण पिछले कुछ समय से डिप्रेशन में था और उसने मरने से पहले अपने मोबाइल पर स्टेटस डाला था – 'अब मैं जा रहा हूँ, मेरे परिवार का ख्याल रखना।'

एएसपी ने बताया कि शव के पास एक अवैध असलहा भी मिला है, जिसे मृतक के पिता ने डर के कारण कहीं रख दिया था। पुलिस उस असलहे की बरामदगी का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मृतक का आपराधिक इतिहास रहा है, और थानाध्यक्ष मीरगंज को सभी पहलुओं पर गहनता से जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों कोणों से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद गांव में मातम और दहशत का माहौल बना हुआ है।

न्याय की जीतः विजय सिंह विद्यार्थी की रिहाई पर उमड़ा जनसैलाब

समर्थकों ने फूल-मालाओं से किया स्वागत, बोले- न्यायपालिका पर था पूरा भरोसा

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विकास खंड शाहगंज सोंधी के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विजय सिंह विद्यार्थी की रिहाई के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। करीब तीन माह से जौनपुर जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे विद्यार्थी को हाईकोर्ट के आदेश पर रिहा किया गया। रिहाई की सूचना मिलते ही समर्थकों में उल्लास का माहौल छा गया।

सुबह से ही सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और शुभचिंतक जौनपुर जिला कारागार के बाहर एकत्र हो गए थे। रिहाई के बाद जैसे ही विजय सिंह विद्यार्थी जेल से बाहर निकले। समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। उनके स्वागत में गगनभेदी नारे लगे और एक लंबा वाहन काफिला उन्हें लेकर पैतृक गांव सोनिकपुर पहुंचा, जहां लोगों ने उन्हें नायक की तरह सम्मानित किया।

मीडिया से बातचीत में विजय सिंह विद्यार्थी ने कहा, 'मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। यह न्याय और सत्य की जीत है। एक जनसेवक को कैद नहीं किया जा सकता क्योंकि उसके साथ जनता की दुआएं होती हैं। मैं जनता का सेवक हूं और अब जनता के बीच लौट आया हूं। जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा।'

रिहाई के बाद क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने जगह-जगह मिठाइयां बांटीं और पटाखे फोड़े। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विजय सिंह विद्यार्थी की रिहाई से क्षेत्र की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है। भाजपा समर्थक वर्ग इसे जनता और न्याय की जीत के रूप में देख रहा है, वहीं विपक्षी दलों में मंथन का दौर शुरू हो गया है।

विद्यार्थी ने अपने संदेश में कहा, 'यह रिहाई केवल मेरी नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास की जीत है जिन्होंने मेरे साथ खड़े होकर न्याय की उम्मीद बनाए रखी।'

इस अवसर पर कुसुम सिंह सिंह एडवोकेट, उमेश सिंह, बाबा, अजीम सिद्दिकी, रिंकू सिंह, सफर शेख, मनीषा सोनी, योगेश सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, मनोज सिंह, ढेभा यादव, विजय कश्यप, हरि श्याम वर्मा, रिंकू सिंह, धर्मेंद्र सिंह मौजूद रहे।

ससुराल की चौखट पर विवाहिता ने दिया धरना, पुलिस मौके पर पहुंची

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कभी कभी कुछ छोटे छोटे जख्म भी बड़ा रूप धारण कर लेते हैं और कलह का कारण भी। कुछ ऐसा ही मामला बुधवार की देर शाम देखने को मिला।

बताया जाता है नगर के बीच मार्केट के रहने वाली युवती का क्षेत्र के खुटहन मार्ग निवासी एक युवक से प्रेम हो गया।धीरे धीरे दोनों का प्यार परवान चढ़ा और साथ जीने मरने की कसमें खाई और एक दिन ऐसा आया की दोनों प्रेमी युगल सारी बन्धनों को तोड़ कर दोनों ने शादी कर ली और एक दूजे के हो गए।

ये बात लगभग आठ नौ माह

रोझरो कर सुनाई आपबीती

पूर्व की है। अब धीरे धीरे समय बीतते गया। इधर बीते कुछ दिनों से दोनों में किसी बात को लेकर खटपट हो गयी। और मामला इतना बढ़ गया की प्रेमिका के ससुराल वाले बुधवार की देर शाम घर से निकाल दिया। काफी हो हल्ला हुआ। लड़की विवश होकर अपने ससुराल के ड्योढ़ी पर ही धरने पर बैठ गयी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह ससुराली जनों और विवाहिता को समझा बुझाकर मामले को हल करने का पर्यास किया। और विवाहिता को घर मे अंदर कराया और दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया ताकि मामले स्थाई निदान हो सके। फिलहाल मामले को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है।

सरायख्वाजा पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत छीटाकशी करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा दिनांक-23.10.2025 को क्षेत्रान्तर्गत लक्ष्मीमूर्ति विसर्जन के समय गाँव हरदीपुर

में दो लड़को द्वारा आने जाने वाली महिलाओं व लड़कियों पर फाब्तियां कस रहे है की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिमन्यु गौतम उर्फ मन्नू पुत्र सुबाषचन्द निवासी हरदीपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर, अमित गौतम पुत्र सतिश चन्द निवासी हरदीपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को पुलिस हिरासत में लेकर अन्तर्गत धारा-296 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पंचक्रोशी सब्जीमंडी में मिला युवक का शव, सिर और चेहरे पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सारनाथ थाना क्षेत्र के पंचक्रोशी सब्जी मंडी में गुरुवार की सुबह एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान प्रकाश यादव के रूप में हुई है, जो मंडी में पल्लेदारी का काम करता था। उसके सिर और चेहरे पर गहरी चोटें थीं तथा मुंह से लगातार खून बह रहा था। शव देखकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर पहुंची सारनाथ पुलिस और एसीपी सारनाथ ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रकाश यादव पिछले 25 वर्षों से मंडी में पल्लेदारी कर रहा था और कई व्यापारियों से उसका सीधा संपर्क था। व्यापारी दिन-रात माल उतारने के लिए उसी को बुलाते थे। बताया जा रहा है कि प्रकाश शराब का आदी था और दीपावली की रात उसका किसी से विवाद भी हुआ था।

हालांकि, सिर और चेहरे पर गहरी चोटों के निशान देखकर लोगों को हत्या की आशंका है। मृतक के परिजनों ने भी पुलिस से हत्या की जांच की मांग की है। फिलहाल पुलिस दो टीमों में जांच कर रही है- एक टीम सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल (सीडीआर) खंगाल रही है, जबकि दूसरी टीम परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असली कारणों का खुलासा होगा। वहीं, इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और मंडी में दहशत का माहौल है।

सुजानगंज पुलिस ने हत्या का प्रयास करने के मामले में वांछित 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-284/2025 धारा-191(2), 115(2), 352, 351(2), 109 बीएनएस में वांछित आरोपीगण, विजय गौतम पुत्र रामराज , विनोद गौतम पुत्र मोहनलाल गौतम, शिवम गौतम पुत्र जियालाल गौतम, दिनेश गौतम उर्फ सिंकू गौतम पुत्र मोहनलाल गौतम, अभिषेक पुत्र सम्मेलाल गौतम ग्राम हडवार थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर निवासीगण ग्राम हड़वार थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर, प्रदीप गौतम पुत्र भग्गन दास ग्राम डोमपुर थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को मुखबिर की सूचना पर दिनांक-23.10.2025 को चारो बेलवार चौराहा से गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए आरोपीगण को न्यायालय भेजा गया।

जैतपुरा में सिर कूचलकर युवक की बेरहमी से हत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जैतपुरा थाना क्षेत्र के जलालीपुरा इलाके में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब सरैया निवासी 28 वर्षीय नौशाद का शव खून से लथपथ हालत में मिला।

युवक की बेरहमी से सिर कुचलकर हत्या की गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर जैतपुरा थानाध्यक्ष बृजेश मिश्रा मय फोर्स मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव के आसपास के क्षेत्र को सील कर दिया और फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया। टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने, जूते के निशान और पास में मिले ईंट-पत्थरों को जांच के लिए कब्जे में लिया।

थानाध्यक्ष बृजेश मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि हत्या नजदीक से की गई है और नौशाद के सिर पर

सुबह-सुबह खून से लथपथ मिला शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

किसी भारी वस्तु से कई वार किए गए हैं। फिलहाल हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि नौशाद वहां कैसे पहुंचा और उसके साथ कौन लोग थे।

पुलिस को शक है कि हत्या रंजिश या किसी पुराने विवाद के चलते की गई है। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि नौशाद पिछले कुछ दिनों से कुछ युवकों के साथ विवाद में उलझा हुआ था। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूरे इलाके में इस घटना के बाद से दहशत और तनाव का माहौल है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

लापरवाही के कारण ट्रेन की जद में आए दो लोगों की मौत, पुलिस ने शवों को लिया कब्जे में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कान में ईयरफोन लगाकर चलने वाले एक व्यक्ति की फिर ट्रेन की चपेट में आने से गई जान। यह घटना बुधवार शाम लगभग 4:00 बजे की है। जौनपुर से प्रयागराज जाने वाली रेलवे लाइन की ट्रैक कान में एयर फोन लगाकर पांडा बनवासी उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र शिरोमणि बनवासी निवासी जंघई थाना सराय ममरेज जनपद प्रयागराज रेलवे ट्रैक पर कान में एयरफोन लगाकर गाना सुनते हुए चला जा रहा था। पीछे से आ रही सवारी गाड़ी का चालक बार-बार ट्रेन का हॉर्न बजा रहा था। इसके अलावा आस पास खेतों में काम करने वाले लोग ट्रेन आती देखकर उसे आवाज दे रहे थे लेकिन कान में इयरफोन लगा रहने के कारण कोई भी आवाज उसके कान तक नहीं पहुंची। जिसके कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बरसठी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पहचान करने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। कुछ घंटे भी जाने के बाद जब फंडा अपने घर नहीं पहुंचा तो परिवार के लोग उसे खोजने के लिए निकले तब उन्हें पता चला कि एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। थाने पर जाकर उसका फोटो दिखाया गया तब परिजन से पहचान गए।

वहीं जलालपुर में मंगलवार को वाराणसी-जफराबाद रेल प्रखंड पर डीजे संचालक की ट्रेन से चपेट में आने से मौत हो गई मृतक की पहचान जलालपुर बाजार निवासी अनिल कुमार अग्रहरी 45 वर्ष के रूप में हुई है। यह घटना अपराह्न करीब तिन बजे अप लाइन पर हुई जानकारी के अनुसार अनिल कुमार किसी कार्य से रेलवे लाइन की ओर गए थे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे उनको गंभीर चोटे आई और मोके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अनिल कुमार अग्रहरी के परिवार में दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं जिनमें से किसी का भी विवाह नहीं हुआ है। इस असामयिक घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

लोकगीत गायिका प्रियंका चौहान के भजन और गीतों पर झूम उठे दर्शक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र,

प्रयागराज द्वारा आयोजित दीपावली शिल्प मेला-2025 के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक आयोजन शिल्प हाट, सांस्कृतिक केंद्र परिसर में प्रतिदिन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत लोकगीत एवं भजन गायिका प्रियंका चौहान का गायन हुआ। उनके द्वारा धनतेरस दीपावली एवं छठ पर्व से जुड़े विविध लोकगीत एवं भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। सबसे पहले गौरी गणेश मनाऊं आज सुध लीजे हमारी लोकगीत से गायन की शुरूआत की। तत्पश्चात जय हो महालक्ष्मी मां नैया मेरी पार करो बजाओ ढोल स्वागत में मेरे घर राम आए हैं और अंत में छठ गीत पहले-पहल हम कइली छठी मैया बरत तोहार, एवं जोड़े जोड़े फलवा सूरज देव घटवा पे तिवई चढ़ावेली हो आदि सुमधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी जिसे सुन दर्शक झूम उठे।

साथी कलाकारों में गायन में अंशिता शुक्ला और मोनाल ठाकुर ने सुंदर साथ दिया। वादक कलाकारों में ऑर्गन पर शीबू चतुर्वेदी, ढोलक सागर भट्ट और पैड पर आकाश रहे। प्रयागराज के प्रसिद्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं संस्कार भारती प्रयागराज के सभी पदाधिकारीयों ने प्रियंका चौहान के गाये भजनों की भूरि भूरि प्रशंसा की है।

विवाहिता सई नदी में कूदी, हालत गंभीर

बेहोशी की हालत में उसे एक निजी अस्पताल कराया गया भर्ती

जलालपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर सई सेतु पुल से एक विवाहिता नदी में कूद गयी वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया शाम करीब पांच बजे हुई इस घटना के बाद नदी किनारे मौजूद लोगों ने महिला को पानी से बाहर निकाला उसे बेहोशी की हालत में उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और महिला को सीएचसी रेहटी भेजा गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतरइलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना अध्यक्ष जलालपुर गजानंद चौबे ने बताया कि महिला की पहचान शिवानी चौहान 19 वर्ष निवासी धुरनशाहपुर हौज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार स्वजनों से किसी बात पर नाराजगी के चलते महिला ने नदी में जान देने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर महिला की स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए थे। पुलिस ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं पड़ी है।

चलते-चलते अचानक सड़क पर गिरकर अधेड़ की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला सुतहटी उर्दू बाजार जाने वाली गली में एक अज्ञात व्यक्त की मौत हो गई है। घटना गुरुवार दिन के लगभग 1:00 की है। एक अज्ञात व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 40 वर्ष आंकी जा रही है। गली से होकर कहीं जा रहा था अचानक सड़क पर गिर पड़ा। इस समय बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने होश में लाने का काफी प्रयास किया लेकिन वह होश में नहीं आ सका। घटना की जानकारी इलाका पुलिस को दी गई।

जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी भंडारी संतोष कुमार सिंह सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए। अचेत पड़े हुए व्यक्ति को पुलिस उठाकर जिला अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मरे हुए व्यक्ति की पहचान कराने का काफी प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने लाश की पहचान के लिए अस्पताल के लाश घर में रख दिया और छानबीन करने में जुट गई है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल चौकियां इकाई के अध्यक्ष बने अभिषेक यादव, व्यापारियों ने दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल की बैठक चौकियां धाम में स्थित एक लॉन में जिलाध्यक्ष विवेक सिंह की अध्यक्षता में हुई जहां संगठन का विस्तार करते हुये बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों की सहमति से चौकिया इकाई का गठन करते हुये गल्ला व्यापारी अभिषेक यादव को चौकियां इकाई का अध्यक्ष घोषित किया।

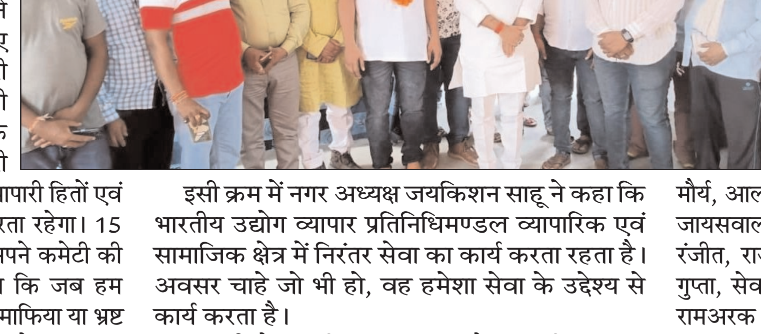

बैठक में चौकियां बाजार, दुधौरा, आरा सहित अगल-बगल कई बाजार के व्यापारी उपस्थित रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सिंह ने कहा कि चौकियां इकाई का गठन इसीलिए किया जा रहा है, ताकि कोई भी भ्रष्ट अधिकारी आपका उत्पीड़न या शोषण न कर पाये। इसी क्रम में उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष अभिषेक यादव को बधाई देते हुये कहा कि हमें पूरी अपेक्षा है कि आपके नेतृत्व में यह संगठन व्यापारी हितों एवं उनकी समस्याओं के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। 15 दिन में आप संगठन का विस्तार करते हुये अपने कमेटी की घोषणा कर सूचित करें। उन्होंने आगे कहा कि जब हम एकजुट रहेंगे संगठित रहेंगे तो कोई भी गुंडा, माफिया या भ्रष्ट अधिकारी हमारा उत्पीड़न या शोषण नहीं कर पायेगा। संगठन वह ढाल है जो व्यापारियों को संरक्षित करती है एवं उनके हितों और मान सम्मान के लिये निरन्तर संघर्ष करती रहती है। श्री सिंह ने उपस्थित व्यापारियों की समस्याएं सुनते हुये आश्वस्त किया कि जल्द ही संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता करके उनकी समस्याओं का निदान कराया जायेगा।

इसी क्रम में नगर अध्यक्ष जयकिशन साहू ने कहा कि भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र में निरंतर सेवा का कार्य करता रहता है। अवसर चाहे जो भी हो, वह हमेशा सेवा के उद्देश्य से कार्य करता है।

व्यापारी नेता अमित जायसवाल ने कहा कि संगठन लगातार कई वर्षों से चाहे वह खाद्य एवं औषधि प्रशासन हो, श्रम विभाग हो या व्यापारियों से सम्बन्धित जो भी विभाग हैं, उनसे समन्वय स्थापित करके व्यापारियों की समस्याओं के लिये निरन्तर कार्य करता रहता है।

वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष अभिषेक यादव ने जिलाध्यक्ष श्री सिंह सहित संगठन के सभी व्यापारियों को धन्यवाद देते हुये कहा कि मुझे जो दायित्व दिया गया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा करने का प्रयास करूंगा और संगठन को मजबूत करते हुये व्यापारियों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास करूंगा। बैठक का संचालन व्यापारी नेता धीरज गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर राजेश प्रजापति, चन्दन पाण्डेय, नितेश मौर्य, विष्णु गुप्ता, अजय राज, चन्दन जायसवाल, मो. रईस, अमित मौर्य, आलोक गुप्ता, सुभाष चन्द्र यादव, राम बच्चन, कुन्दन जायसवाल, संतोष यादव, सनी जायसवाल, सुनील गुप्ता, रंजीत, राजू जायसवाल, नीरज मौर्य, गोविन्द साहू, रविंद्र गुप्ता, सेवा लाल, पिंटू साहू, मुकेश साहू, अविनाश साहू, रामअरक यादव, शिवम जायसवाल, अरुण मौर्य, शादाब अख्तर, राम अजोर चतुर्वेदी, राजन कुमार सहित तमाम व्यापारी उपस्थित रहे।

परहित दुनिया का सबसे बड़ा धर्मः डॉ.रणजीत सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मां दुर्गा जी हायर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय सिद्दीकपुर में स्काउट गाइड उद्घाटन सत्र का शुभारंभ गुरुवार को स्काउट गाइड प्रशिक्षण के प्रथम सोपान उद्घाटन सत्र का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि, श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व प्रधानाचार्य एवं उत्तर- प्रदेश भारत स्काउट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि परहित दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है। असहाय, गरीब एवं दीन-दुखियों, लाचार एवं बेबस लोगों की मदद करना संसार का सबसे पुनीत कार्य है। स्काउट का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र हित में हिस्सा लेना, ईश्वर और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करना, दूसरों की सहायता करना और स्काउट के नियम पालन करना है। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रार्थना, झंडागीत, स्काउट गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, ताली के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षक अंबुज सिंह एवं निसार अहमद ने कई विषयों पर बच्चों को जानकारी दी। संचालन निसार अहमद ने किया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार सिंह ने की। जिला आयुक्त एडल्ट रिसोर्स नुसरत सुल्तान ने आए हुए अतिथियों के

प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर छात्र- छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर केएन सिंह, पलक धारी सिंह, प्रवीणता सिंह प्रतिभागी स्काउट गाइड मौजूद रहे।

खड़ी ट्रक में बाइक भिड़ी से दो की मौत, एक गंभीर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-19 पर गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की शिनाख्त शिवम गुप्ता (22) और टीपू खान (24) के रूप में हुई है। घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर में जारी है। पुलिस के अनुसार, तीनों युवक मिर्जापुर से वाराणसी घूमने आए थे और वापस लौट रहे थे। रूपापुर के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो युवकों की मौत तुरंत हो गई। मिर्जामुराद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा और मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए कब्जे में ले लिए। हादसे के कारण नेशनल हाईवे-19 पर कुछ समय के लिए जाम लग गया, जिसे पुलिस ने नियंत्रित कर सामान्य किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नितिन मौत का कारण स्पष्ट नहीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर पुर अखड़ो घाट के सामने 19 अक्टूबर को गोमती नदी में मिले कथित जुआरी की लाश मिली थी। मृतक शहर कोतवाली के रासमण्डल का नितिन जायसवाल था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम उसके मौत का कारण स्पष्ट नहीं चल सका है। आगे की जांच के लिए उसके बिसरे को सुरक्षित रखा गया है। वहीं कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह तथा चौकी प्रभारी सिपाह आलोक त्रिपाठी पुलिस मामले में मृतक के स्वजन एवं जानने वालों से हर पहलू में पूछताछ कर रहे है। नितिन जायसवाल पुत्र स्वर्गीय प्रेमचंद जायसवाल की माँ कलावती का आरोप लगाया था कि नितिन 17 अक्टूबर को उसके पांच परिचित दोस्त जुआ खेलने के लिये लिया गए थे। इस घटना को लेकर मृतक की माँ कलावती ने पांचों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनके तहरीर पर ऊक्त पांचों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नगर कोतवाल विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इसके चलते विसरा प्रिजर्व किया गया है। हालांकि मामले से जुड़े तमाम पहलुओं पर गौर करते हुए जांच चल रही है। मृतक के पहरज की तहरीर के आधार पर लोगो से और उसके जानकारों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मृतक नितिन जायसवाल की मौत गुत्थी सुलझा दी जाएगी।

विधि विधान से पूजे गए भगवान चित्रगुप्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोयस्थ महासभा ने रूहट्टा स्थानीय चित्रगुप्त धर्मशाला मन्दिर में विधि विधान से कलम दवात के देवता भगवान चित्रगुप्त महराज की पूजा अर्चना किया। सर्व प्रथम भगवान की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया, आरती पूजन के साथ सभी सदस्यों ने अपने ईष्ट की पूजा की। प्रदेश महासचिव जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रह्म की काया उत्पन्न चित्रगुप्त भगवान पूरे ब्रह्मांड का लेखा जोखा रखते है, इस नाते इन्हें कलम दवात का देवता भी कहा जाता है, ब्रह्म की काया से उत्पन्न चित्रगुप्त के वंशज को ही कायस्थ कहते है। आगे कहा कि चित्रगुप्त के बारह पुत्रों का विवाह नागराज वासुकि की बारह कन्याओं से हुआ था। पहली पत्नी सूर्यदक्षिणा से चार पुत्र और दूसरी पत्नी इरावती से आठ पुत्र हुए थे। इन 12 पुत्रों के विवाह नागकन्याओं से हुए, जिसके कारण कायस्थों की ननिहाल नागवंशी मानी जाती है। अपने उद्बोधन के अंत में श्री श्रीवास्तव ने प्रदेश एवं जनपद के सभी कायस्थों को चित्रगुप्त की पूजा की बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव, इन्द्रसेन श्रीवास्तव, एससी लाल, श्यामरतन श्रीवास्तव, जय आनंद, प्रमोद श्रीवास्तव दादा, पत्रकार राजेश श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, अमित निगम, प्रदीप अस्थाना, अखिलेश श्रीवास्तव, मोहित श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे। संचालन महासचिव संजय अस्थाना ने किया।

रोडवेज चालक की हत्या के मामले में चौकी इंचार्ज निलंबित

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप के पास मंगलवार को गालीगलौज व जातिसूचक शब्दों के प्रयोग के विवाद में पत्थरबाजी कर रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू (40) की हत्या कर दी गई। हमलावर मौके से फरार हो गए। हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। मौके पर पहुंचे डीसीपी ने हमलावरों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर किसी तरह मामला शांत कराया। वहीं लापरवाही बरतने पर टीपी नगर चौकी प्रभारी राजेश कुमार चौबे को निलंबित कर दिया गया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के गांव नीमसराय निवासी रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू रोडवेज में संविदा पर ड्राइवर थे। भाई नरेंद्र कुमार उर्फ राजन पासी ने बताया कि मंगलवार दोपहर 1:15 बजे रावेंद्र मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप पर बस में तेल भरवाने गए थे। आरोप लगाया कि वहां घात लगाकर बैठे हसीनन, उसके भाई नुरैन, अली, कामरान, इरफान, हुसैन, कैफ समेत अन्य अज्ञात युवकों ने रावेंद्र से गालीगलौज शुरू कर दी। जातिसूचक शब्द कहकर उनके सिर पर पत्थर मार दिया और बोले कि इसे मार डालो। इसके बाद सभी ने मिलकर पत्थर बरसाए और भाई की हत्या कर दी।

विजेंद्र सिंह ने दीपावली मिलन पर बढ़ाई चर्चा वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव की हलचल तेज

-प्रेम चंद मिश्रा

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार में दीपावली के पावन अवसर पर प्रेममूर्ति परम पूज्य प्रेम भूषण जी महाराज के कृपापात्र, समाजसेवी एवं उद्योगपति विजेंद्र सिंह ने सामाजिक और राजनीतिक जगत में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर विजेंद्र सिंह ने बहुजन विकास आघाडी के वरिष्ठ नेताओं पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर, पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर, पूर्व महापौर रूपेश जाधव, नगरसेवक वैभव पाटिल, समाजसेवी विशाल पाटिल तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों से सौहार्दपूर्ण भेंट कर दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इन सार्थक मुलाकातों ने आगामी वसई-विरार महानगरपालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल को और भी जीवंत बना दिया है। स्थानीय राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि विजेंद्र सिंह अब सक्रिय रूप से चुनावी राजनीति में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। समाजसेवा से लेकर उद्योग जगत तक में अपनी उल्लेखनीय पहचान बनाने वाले विजेंद्र सिंह ने हमेशा समाज के हर वर्ग के हित में कार्य किया है।

गोरेयाकोठी विस के प्रेक्षक ने किया दर्जन भर बूथों का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत 111-गोरिया कोठी विस सभा क्षेत्र में होने वाले प्रथम चरण के 6 नवंबर को होने वाले चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में कराने तथा शत प्रतिशत मतदान को ले वृहस्पतिवार को ऑब्जर्वर 2014 बैच के आईएस बच्चनेश कुमार अग्रवाल ने अनुमंडल के लकड़ीनबीगंज के सीओ नेहा कुमारी, लकड़ी नवीगंज के थानाध्यक्ष कृष्ण शुक्ला के साथ दर्जन भर वानरेबल बूथों का निरीक्षण किया। बूथ संख्या 332, 372 के साथ-साथ लगभग दर्जन भर बूथों का निरीक्षण कर आम जनता से बात-चित कर मतदान के समय होनेवाले वोटिंग की जानकारी ली। मतदान केंद्रों पर मौजूद मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इस संबंध में लकड़ी नवीगंज के सीओ और थानाध्यक्ष ने बताया कि मतदान केंद्रों पर शौचालय, पेयजल, रैंप, फर्नीचर, साफ-सफाई, भवनों की स्थिति, मतदान केंद्र पर बूथ संख्या, बीएलओ का नाम, मोबाइल नंबर, गांव का नाम आदि की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सेक्टर पदाधिकारी, स्कूल के प्रधानाध्यापक, बीएलओ, शिक्षकों, आदि को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने हर हाल में मतदान केंद्रों पर साफ- सफाई एवं मूलभूत सुविधाएं समय सीमा के अंदर पूरा कराने का दिशा निर्देश दिया।

काशीमीरा ढाचकुल पाड़ा में मारपीट कांड को लेकर मंत्री प्रताप सरनाईक का दौरा

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर में तेजी से बढ़ती आबादी के साथ-साथ आपराधिक प्रवृत्ति की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। मीरा रोड (पूर्व) के ढाचकुल पाड़ा इलाके में हुई चौंकाने वाली घटना से शहर दहल गया है। कुछ गुंडागर्दी करने वाले तत्वों ने बस्ती की महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ कर इलाके में दहशत फैलाई। इस गैरकानूनी गतिविधि के बाद दो गुटों में मारपीट हुई और एक युवक को गंभीर रूप से पीटा गया। घटना की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री, प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की विस्तृत जानकारी ली तथा स्थानीय पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कठोर और तत्काल कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए। ड्रग्स माफिया और भू माफियाओं तथा अवैध घुसपैठ पर बड़ी कार्रवाई करने को कहा। मंत्री सरनाईक ने आगे कहा कि शहर में ड्रग्स और नशीले पदार्थों की बिक्री के मामले बढ़ रहे हैं। इसमें कुछ बाहरी राज्यों के और बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों की संलिप्तता की जानकारी मिल रही है। इस पृष्ठभूमि में, उन्होंने पुलिस को इलाके के किराएदारों की कड़ी जांच करने के साथ-साथ ड्रग्स नेटवर्क का पूरी तरह से सफाया करने का आदेश दिया। स्थानीय निवासियों ने इलाके में पुलिस चौकी न होने की शिकायत की। इस शिकायत पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री सरनाईक ने तत्काल ढाचकुल पाड़ा क्षेत्र में पुलिस चौकी शुरू करने की घोषणा की। मंत्री सरनाईक ने कहा, अपराध पर नियंत्रण रखने के लिए नागरिकों को सुरक्षित माहौल देना हमारी जिम्मेदारी है। पुलिस चौकी की स्थापना से बस्ती में गुंडागर्दी और ड्रग्स के कारोबार पर अंकुश लगेगा। इस मामले पर बोलते हुए मंत्री सरनाईक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और शहर की कानून-व्यवस्था पर किसी का भी डंक नहीं पड़ने देंगे। ढाचकुल पाड़ा क्षेत्र में हुई घटना में शामिल गुंडागर्दी करने वाले व्यक्तियों को सजा मिलने तक मैं स्वयं संज्ञान में लेकर (पीछा) करता रहूँगा। मीरा भायंदर को अपराध का अड्डा नहीं बनने देंगे। प्रशासन और पुलिस इस मामले में शून्य सहनशीलता की भूमिका अपनाएं। मीरा भायंदर में कानून तोड़ने वाले पर कोई दया नहीं होगी। न्याय मिलने तक सरकार और प्रशासन जनता के साथ खड़े हैं। इस कार्रवाई से ढाचकुल पाड़ा क्षेत्र के निवासियों को राहत मिली है और नागरिकों ने मंत्री सरनाईक का आभार व्यक्त किया है।

छठ व्रत तैयारी में लगी महिलाएं, व्रत के लिए गेहूं सूखाती महिला

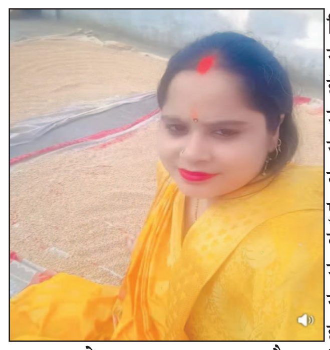

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में व्रत पूर्व भोजपुरी छठ मैया के गीत गुंजयमान होने लगे हैं। आ गइल छठी मइया तोहर दिनवा, सखिया चल गेहूं धोवाईं। सखिया चल गेहूं धोवाईं, चावल बिनाईं, धूप में सुखवाईं। भोजपुरी का यह परंपरागत गीत गुंजयमान है। क्षेत्र में छठ पूजा की तैयारी गीत गूंजने लगी है। व्रत रखने वाली महिलाएं गेहूं धुलकर सुखाते हुए गीत गुनगुना रही

यह विशेष पर्व अब यहां शहर के विभिन्न मुहल्लों में भी श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। चार दिवसीय व्रत की शुरूआत तो 25 अक्टूबर को होगी, लेकिन व्रत शुरू होने से किए जाने वाले भोजन और प्रसाद के लिए अनाज तैयार किया जा रहा है। घरों में अभी से सात्विक माहौल बनता दिखने लगा है। प्रखंड क्षेत्र में लोगों में अलग उल्लास दिखाई दे रहा है। महिलाएं जहां घर में तैयारी कर रही हैं, वहीं बाजार से खरीदारी का दायित्व पुरुष उठा रहे हैं। छठ मैया की वेदी बनाकर पूजा की जाती है। महाराजगंज के धोबावलिया में यहां शिव पार्वती मंदिर परिसर में ही तालाब किनारे अपनी-अपनी वेदी बनाकर पूजा-अर्चना की जाती है। घाट सजाने की तैयारी भी आरंभ कर दी गई है। नहाय खाय के साथ 25 अक्टूबर को चार दिवसीय व्रत की शुरूआत होगी। 26 अक्टूबर को खरना होगा। रात्रि में प्रसाद ग्रहण करने के साथ 36 घंटे का निर्जल व्रत आरंभ हो जाएगा। पारंपरिक ठेकुआ, गन्ना, फल आदि सामग्री संकलित कर 27 की शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। 28 अक्टूबर को सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का परायण किया जाएगा। शिव पार्वती मंदिर परिसर, इंटर कॉलेज परिसर के मंदिर और पोखरा घाट पर व्रती महिलाओं के परिवार पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगे। छठ मैया की कृपा से हर साल व्यवस्था अच्छी होती जा रही है।

हर्षोल्लास के साथ की गई ज्ञान और बुद्धि के देवता चित्रगुप्त की पूजा

औरंगाबाद। औरंगाबाद शहर के कर्मा रोड स्थित चित्रगुप्त सभागार सह लोकनायक जयप्रकाश नारायण सांस्कृतिक भवन समेत पूरे जिले में गुरुवार को ज्ञान और बुद्धि के देवता श्री श्री चित्रगुप्त की पूजा हर्षोल्लास के साथ की गयी। सुबह वैदिक मंत्रोचारण के बीच पूरे विधि - विधान से भगवान चित्रगुप्त की पूजा - अर्चना की गई और इसमें कायस्थ परिवार समेत समाज के अन्य वर्गों के लोगों ने पूजन के क्रम में अपना साल भर का ब्योरा लिखकर भगवान को समर्पित किया। इस महोत्सव का आयोजन जीकेसी (ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस) औरंगाबाद के द्वारा किया गया ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के अध्यक्ष कमल किशोर ने बताया कि चित्रगुप्त पूजा की शुरूआत गुरुवार को सुबह 11 बजे से हुई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया । संध्या में महाआरती ,महाप्रसाद और सामूहिक प्रीतिभोज का कार्यक्रम किया गया । उन्होंने बताया कि इस महोत्सव को सफल बनाने में जीकेसी के अजय श्रीवास्तव , अजय वर्मा, इं बी के श्रीवास्तव , डॉ अनिल कुमार सिन्हा, डॉ शीला वर्मा, श्रीराम अम्बष्ट, महेंद्र प्रसाद , मधुसूदन प्रसाद सिन्हा, राजू रंजन सिन्हा, राजेश सिन्हा, सूर्यकांत, दीपक बलजोरी, सुनील सिन्हा, गणेश प्रसाद लाल बाबू , अमीत कुमार , संजय सिन्हा, अभय सिन्हा समेत सभी चित्रांशों का विशेष योगदान रहा । सभी के सहयोग से ही हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा गया । श्री किशोर ने बताया कि कलम के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त की पूजा कायस्थ परिवार के लोग धूमधाम के साथ करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कायस्थ जाति को उत्पन्न करने वाले भगवान चित्रगुप्त का जन्म यम द्वितीया के दिन हुआ। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान चित्रगुप्त की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में चित्रगुप्त जी की पूजा का विशेष महत्व है। चित्रगुप्त कायस्थों के आराध्य देव हैं। भगवान चित्रगुप्त को कलम का देवता माना जाता है। चित्रगुप्त पूजा करने से साहस, शौर्य, बल और ज्ञान की प्राप्ति होती है। भगवान चित्रगुप्त ब्रह्मदेव की संतान हैं। वह ज्ञान के देवता हैं। भगवान चित्रगुप्त को यमराज का सहायक देव माना जाता है। भगवान हर व्यक्ति के कर्मों का लेखा-जोखा लिखकर, यमदेव के कार्यों में सहायत प्रदान करते हैं। श्री किशोर ने बताया कि चित्रगुप्त जी का जन्म ब्रह्मदेव के अंश से हुआ और इनके वंशज कायस्थ कहलाए । कायस्थ पूजा के दिन भगवान चित्रगुप्त के साथ ही कलम और बही - खाते की भी पूजा करते हैं क्योंकि ये दोनों ही भगवान चित्रगुप्त को प्रिय हैं। इसके साथ ही अपनी आय-व्यय का ब्योरा और घर परिवार के बच्चों के बारे में पूरी जानकारी लिखकर भगवान चित्रगुप्त को अर्पित की जाती है। एक प्लेन पेपर पर अपनी इच्छा लिखकर पूजा के दौरान भगवान चित्रगुप्त के चरणों में अर्पित करते हैं। इस दिन परिवार के लोग कलम और दवात का इस्तेमाल नहीं करते हैं । दाउदनगर में भी चित्रांश एकता संघ की ओर से भव्य चित्रगुप्त पूजा समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग दिया ।

पार्टी के झंडे में ससम्मान सुपुर्द- ए-खाक किए गए सपा नेता हाजी सिराजुद्दीन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के अत्यंत करीबी जौनपुर, नगर पंचायत खेतासराय के निवासी हाजी सिराजुद्दीन सिराज का कल पीजीआई लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया था। आज सुबह उनके पैतृक आवास मच्छरहट्टा सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने समाजवादी झंडे के साथ उन्हें सम्मान पूर्वक नम आंखों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारियों एवं नेताओं की उपस्थिति रही। नमाज ए जनाजा बड़ी मस्जिद में अदा की गई,तत्पश्चात जनाजे को कंधा देते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं ज़िला महासचिव आरिफ हबीब के साथ बड़ी संख्या में सपाजन क्षेत्रीय नागरिकों ने अबाई कब्रगाह पहुंचकर उन्हें सुपुर्द ए खाक किया।

इस दुखद मौके पर लोगों की आँखें नम थी। सुपुर्द ए खाक किए जाते समय पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, वरिष्ठ नेता राजकुमार बिंद, रुखसार अहमद, शकील अहमद, नगर पंचायत खेतासराय अध्यक्ष वसीम अहमद, कजगांव के अध्यक्ष फिरोज खान, जफराबाद प्रतिनिधि डॉ .सरफराज खान, शकील मंसूरी, ऋषि यादव, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, पूनम मौर्य, अनवारूल हक गुड्डू, दिलीप प्रजापति, सेराज अहमद, ताज मोहम्मद, दीपक विश्वकर्मा, रामकेश बिंद, रवि यादव, मनोज कुमार मौर्य सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।

लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारी में जुटा पूर्वांचल

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। दीपावली के दीप बुझते ही अब पूर्वांचल के जिलों में लोक आस्था का महापर्व छठ अपनी पूरी आभा के साथ दस्तक दे चुका है। बनारस से लेकर भदोही, मिजार्पुर, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, आजमगढ़ और सोनभद्र तक घाटों और तालाबों पर तैयारी तेज है। घाटों की सफाई, रंग-रोगन, लाइटिंग और सुरक्षा इंतजाम में प्रशासन व नगर निगम पूरी तरह जुट गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने गुरुवार को राजघाट और आसपास के घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। डीएम ने कहा, छठ व्रतियों की श्रद्धा और पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की असुविधा न हो।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम को घाटों से सिल्ट हटाने, नियमित सफाई अभियान चलाने और स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाटों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम, खोया-पाया केंद्र, बैरिकेडिंग, पर्याप्त रोशनी और वाहनों के लिए अलग पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छठ पूजा स्थलों तक आने-जाने के रास्ते अवरोध-मुक्त रहें और आवश्यकता अनुसार संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। जलाधिकारी ने बताया कि छठ महापर्व के समापन के बाद सभी अधिकारी गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने राजघाट क्षेत्र का निरीक्षण कर घाट की पेंटिंग, मरम्मत, समतलीकरण, नाव बोर्डिंग पॉइंट निर्माण और विशेष प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मंच निर्माण, आगंतुकों के बैठने और दीये जलाने की व्यवस्था भी शीघ्र पूरी करने के आदेश दिए गए। डीएम ने संयुक्त निदेशक पर्यटन को गंगा महोत्सव और देव दीपावली की ब्रांडिंग अभियान तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, संयुक्त निदेशक पर्यटन दिनेश कुमार, सहायक निदेशक सूचना सुरेंद्र पाल, पर्यटन सूचनाधिकारी नितिन कुमार सहित नगर निगम और जल निगम के अधिकारी मौजूद रहे।छठ पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह पूर्वांचल की जीवन संस्कृति का उत्सव है। यह पर्व सिखाता है कि शुद्धता, संयम और सामूहिकता ही समाज की असली ताकत है। जब पूरा जनसमुदाय घाटों की सफाई में, सजावट में और श्रद्धा की तैयारी में जुटता है, तब वह केवल पूजा नहीं करताकृप्रकृति, जल और सूर्य को धन्यवाद भी देता है। यही वह भाव है जो वाराणसी को सिर्फ आध्यात्मिक नहीं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक नगरी बनाता है।

कबाड़ की दुकान में लगी आग, कई मकान प्रभावित

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के बदरका मोहल्ला स्थित एक कबाड़ की गोदाम में मंगलवार रात लगभग 8:15 बजे भीषण आग लग गई, जिससे आसपास के घनी आबादी वाले क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशक्कत से चार घंटे बाद आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र पाण्डेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आसपास की चौकियों से फोर्स बुलाया गया। आग इतनी विकराल थी कि आसपास के मकानों की दीवारें और छतें दरकने लगीं। कबाड़ गोदाम मालिक पिन्टू ठठेरा निवासी अनंतपुरा बताया गया है। गोदाम में कागज, प्लास्टिक, शराब की बोतलें, टायर सहित ज्वलनशील पदार्थ भरे थे, जिससे रह-रहकर विस्फोट हो रहे थे। जांच में सामने आया कि यह गोदाम पिछले तीन वर्षों से बिना लाइसेंस के संचालित हो रहा था और विगत वर्ष भी यहां आग लग चुकी थी। इस मामले में नगर कोतवाली प्रभारी यादवेंद्र पांडेय ने आरोपी पिन्टू ठठेरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वसई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तरफ से दीपोत्सव का आयोजन संपन्न

आनंद कुमार मिश्रा

वसई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में दीपोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्राध्यापक मंदार भानुषे, वसई जिलाध्यक्ष वैद्य. सर्वेश शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अंकित उपाध्याय, वसई जिला संयोजक सुजल मिश्रा तथा अन्य संघ स्वयंसेवक व कार्यकर्ता उपस्थित थे। दीपोत्सव का यह आयोजन न केवल उत्सव का प्रतीक था, बल्कि इसमें भारत की सांस्कृतिक चेतना, संगठन के मूल्य और सेवा भावना का गहरा संदेश भी निहित था। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती माता पूजन से हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अंकित उपाध्याय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे 1925 से लेकर आज तक संघ ने राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा, शिक्षा, ग्राम विकास और संस्कार निर्माण के क्षेत्र में निरंतर योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का पर्याय बन चुका है, और यही उसकी शताब्दी यात्रा की वास्तविक पहचान है। तत्पश्चात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्राध्यापक मंदार भानुषे ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसका धर्म सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि भारत की असली शक्ति उसके युवाओं में निहित है और यदि युवा अपने जीवन में सेवा, संस्कार और राष्ट्रनिष्ठा को आत्मसात करें, तो भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल सफलता नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व को भी अपना जीवन उद्देश्य बनाएं। दीपोत्सव के अंत में सैकड़ों दीपों से परिसर आलोकित हुआ और परिषद के कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जयघोष के साथ कार्यक्रम को समापन किया।